सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

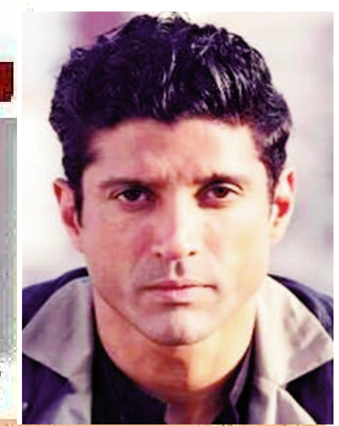

शुभमन को अस्पताल से छुट्टी मिली पर दूसरे टेस्ट में खेलने पर संशय बरकरार -पेज: 7

फरहान अतर ने बताया फिल्म 120 बहादुर ने कैसे बदला उनका नजरिया -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 219 | मंगलवार 18 नवंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

बिहार में नई सरकार का रास्ता साफ, नीतीश 20 को लेंगे शपथ, तेजस्वी बने विपक्ष के नेता

एनडीए की प्रचंड जीत के बाद नीतीश कुमार 20 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। मंत्रिमंडल गठन पर घटक दलों में गहन मंथन जारी है, जहाँ संभावित मंत्रियों पर राजनीतिक समीकरणों के आधार पर विचार हो रहा है। वहीं, महागठबंधन की हार के बावजूद तेजस्वी यादव बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता चुने गए हैं, यह उन्हें मिली अहम जिम्मेदारी है।

बिहार एजेंसी: हाल ही में संपन्न बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन द्वारा भारी जीत दर्ज करने के बाद अगले तीन से चार दिनों में नई बिहार सरकार का गठन हो जाएगा। सोमवार को एनडीए सरकार की कैबिनेट बैठक के बाद, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मौजूदा विधानसभा भंग करने की सिफारिश करने के लिए अधिकृत कर दिया गया। नीतीश कुमार ने राजभवन में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को अपना इस्तीफा सौंपा। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि बिहार में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 20 नवंबर को पटना में होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्रियों सहित एनडीए के कई अन्य शीर्ष नेताओं के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने की उम्मीद है। इससे पहले, बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने संवाददाताओं को बताया कि नवनिर्वाचित विधायक मंगलवार को अपने विधायक दल के नेता का चुनाव करने के लिए बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि संभवतः नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 20 या 21 नवंबर को होगा। शपथ ग्रहण समारोह के लिए पटना के गांधी मैदान में तैयारियाँ चल रही हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और राघोपुर से नवनिर्वाचित विधायक तेजस्वी यादव को बिहार विधानसभा में विपक्ष का नेता चुना गया है। पटना स्थित तेजस्वी यादव के आवास पर राजद विधायकों की बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया। यह बैठक बिहार चुनाव में महागठबंधन की करारी हार की समीक्षा के लिए बुलाई गई थी, जहाँ गठबंधन को एनडीए से करारी हार का सामना करना पड़ा था। एनडीए ने बिहार विधानसभा की 243 सीटों में से 202 सीटें हासिल कीं, जबकि महागठबंधन को केवल 35 सीटें मिलीं, जबकि राजद को केवल 25 सीटें मिलीं। राज्य के संसदीय कार्य मंत्री एवं जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता विजय चौधरी ने बताया कि बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत के साथ राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात कर कैबिनेट के निर्णय से उन्हें अवगत कराया। विजय चौधरी ने कहा, कैबिनेट ने नयी सरकार के गठन के मद्देनजर 19 नवंबर को विधानसभा भंग करने की अनुशंसा करने का प्रस्ताव पारित किया। उन्होंने यह भी बताया कि कैबिनेट ने राजग की ऐतिहासिक जीत के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद देने का प्रस्ताव पारित किया। चौधरी ने कहा, यह नीतीश कुमार के नेतृत्व में गठबंधन का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है जो राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों के कारण संभव हुआ है ह्व हाल में संपन्न विधानसभा चुनावों में 243 सदस्यीय सदन में राजग ने 200 से अधिक सीट पर जीत दर्ज की है, जिनमें भाजपा ने सर्वाधिक 89 सीट जीतीं और जनता दल (यूनाइटेड) को 85 सीट मिलीं। जद(यू) के एक सूत्र ने बताया कि पार्टी 19 नवंबर को नीतीश कुमार को विधायक दल का नेता चुनेगी। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के प्रमुख जीतन राम मांझी और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने रविवार को यहां केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ उनके आवास पर अलग-अलग बैठक की। प्रधान बिहार में भाजपा के चुनाव प्रभारी थे। भाजपा नीत राजग के दोनों घटक दलों के प्रमुख जब प्रधान से मिलने उनके आवास पर पहुंचे तब वहां बिहार में भाजपा के राजनीतिक मामलों के प्रभारी विनोद तावड़े भी मौजूद थे। ये बैठकें ऐसे समय में हुई हैं जब बिहार विधानसभा चुनाव में भारी जीत के बाद राजग बिहार में सरकार बनाने की तैयारी में जुटा है।

दिल्ली विस्फोट घाटी में केंद्र सरकार की विफलता को दिखाता : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर (एजेंसी)। पीडीपी प्रमुख और जम्मू कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने केंद्र की मोदी पर आरोप लगाया कि 10 नवंबर को लाल किले पर हुआ विस्फोट बढ़ती असुरक्षा की भावना और जम्मू-कश्मीर में केंद्र की नीतियों की विफलता को दिखाता है। महबूबा ने कहा कि आपने दुनिया को बताया कि कश्मीर में सब कुछ ठीक है, लेकिन कश्मीर की परेशानी लाल किले के सामने गूंज रही हैं। आपने जम्मू-कश्मीर को सुरक्षित बनाने का वादा किया था, लेकिन वादे को पूरा करने के बजाय, आपकी नीतियों ने दिल्ली को असुरक्षित बना दिया है। महबूबा ने कहा कि हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करके वोट मिल सकते हैं, लेकिन देश किस दिशा में जा रहा है। दिल्ली के लोग शायद यह सोचते हैं कि जितना ज्यादा हिंदू-मुस्लिम विभाजन होगा, उतना ही खून-खराबा होगा, उतने ही ज्यादा वोट उन्हें मिलने है। मुझे लगता है कि उन्हें फिर सोचना चाहिए। देश कुर्सी से कहीं बड़ा है। मैं ऐसा करने वाले युवाओं से फिर कहना चाहती हूं कि आप जो कर रहे हैं वह हर तरह से गलत है। यह न केवल आपके लिए, बल्कि आपके परिवार, जम्मू-कश्मीर और पूरे देश के लिए भी खतरनाक है। आप इतना बड़ा जोखिम इसलिए उठा रहे हैं क्योंकि आप अपने प्रियजन की जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। कई निर्दोष लोगों की जिंदगी दांव पर लगी है।

रूस से एमबीबीएस के छात्र का शव 28 दिन बाद पहुंचा अलवर

अलवर (एजेंसी)। राजस्थान के जिले अलवर में सोमवार सुबह रूस से एमबीबीएस के छात्र अजीत चौधरी का शव 28 दिन बाद पहुंचा। वहां लक्ष्मणगढ़ के कफनवाड़ा गांव निवासी था। जिला हॉस्पिटल में बॉडी रखी गई है। छात्रा चौधरी का अंतिम संस्कार उसके गांव में होगा। अजीत 19 अक्टूबर को रूस के ऊफा शहर में लापता हुआ था। 6 नवंबर को उसका शव व्हाइट रिवर से लगते बांध में मिला था। 14 नवंबर को रूस में पोस्टमॉर्टम हुआ था। सोमवार को शव अलवर पहुंचा। इस पूरी प्रक्रिया में करीब 28 दिन लगे। अजीत की मां की हालत नाजुक है। अजीत का शव सुबह करीब 4 बजकर 5 मिनट पर फ्लाइट से दिल्ली पहुंचा। सुबह करीब 9 बजे शव को अलवर जिला अस्पताल लाया गया, जहां पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया की गई। रूस में पहले ही छात्र के शव का पोस्टमॉर्टम किया जा चुका था। परिजनों की मांग पर अलवर जिला अस्पताल में भी डॉक्टरों की टीम का मेडिकल बोर्ड बनाया था। इसी बोर्ड ने सोमवार दोपहर करीब 12 बजे अजीत के शव का पोस्टमॉर्टम किया। इसके बाद शव परिवार को सौंप दिया गया। परिवार शव को लेकर कफनवाड़ा गांव पहुंचा, जहां अंतिम संस्कार किया गया।

बालासाहेब ठाकरे मेमोरियल कमेटी का चेयरमैन बने पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्व.हिंदु हृदय सम्राट नेता बालासाहेब ठाकरे मेमोरियल कमेटी का चेयरमैन शिवसेना-यूबीटी गुट के मुखिया और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे को बनाया है। यह फैसला राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि शिवसेना के दूसरे गुट के नेता और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी बालासाहेब ठाकरे की विरासत पर दावा करते हैं। इस निर्णय को एकनाथ शिंदे को टेंशन देने वाला माना जा रहा है, क्योंकि वह पहले से ही फडणवीस सरकार में उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। अब फडणवीस के इस फैसले के बाद महायुति में फिर टेंशन बढ़ सकती है। वहीं महाराष्ट्र सरकार द्वारा गठित समिति के प्रमुख सदस्य के रुप चेयरमैन उद्धव ठाकरे और सदस्य के रुप में आदित्य ठाकरे, सुभाष देसाई, पराग अलवानी (भाजपा विधायक) और शिशिर शिंदे (शिवसेना नेता) को शामिल किया गया है। जानकार मानते हैं कि देवेंद्र फडणवीस बीच-बीच में उद्धव ठाकरे के साथ सेतु बनाने की कोशिश करते हैं ताकि एकनाथ शिंदे पर दबाव बनाकर रखा जा सके। उद्धव ठाकरे ने हाल ही में 3 नवंबर को बाढ़ प्रभावित इलाकों में किसानों को पर्याप्त मदद न मिलने के लिए फडणवीस सरकार की आलोचना की थी।

पूर्व बीजेपी प्रत्याशी अजय श्याम के बयान से आहत ब्राह्मण समाज, माफी की उठी मांग

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के ठियोग विधानसभा से पूर्व बीजेपी प्रत्याशी अजय श्याम एक स्कूल में दिए गए भाषण के कारण सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे हैं। बीजेपी नेता श्याम ने ठियोग विधानसभा के एक स्कूल कार्यक्रम में पुनर्जन्म, मरने के बाद के कर्मकांड, और ब्राह्मणों की भूमिका पर सवाल उठाए। उनके बयान को सनातन विरोधी और ब्राह्मण समाज का अपमान करने वाला बताया गया। उन्होंने कहा कि पुनर्जन्म की बात दिमाग से निकाल देनी चाहिए, और कोई भी पंडित यह प्रमाणित नहीं कर सकता कि 16वें दिन दिया गया दान (जैसे बिस्तर या पहाड़ी डिश धिंधड़े) मृतक को ऊपर मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि मरने के बाद भी फोन साथ चाहिए, पंडित जी को दान कर देना, ये टाइम आने वाला है। उनके बयान से ब्राह्मण समाज और सनातन परंपराओं को मानने वाले हिंदू आहत हुए और वह सोशल मीडिया पर बुरी तरह फंस गए। देवभूमि क्षत्रिय संगठन और कई ब्राह्मणों की चेतावनी के बाद, श्याम ने सार्वजनिक तौर पर ब्राह्मण समाज से माफी मांगी है।

फरीदाबाद पुलिस ने 2000 से ज्यादा छात्रों और किरायेदारों से पूछताछ की

फरीदाबाद(एजेंसी)। दिल्ली के लाल किले के पास हुए ब्लास्ट में 12 लोगों की मौत के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी जांच और तेज की है। इसी क्रम में फरीदाबाद पुलिस ने सोमवार को शहर में किराए पर रह रहे बड़ी संख्या में कश्मीरी छात्रों व अन्य किरायेदारों से पूछताछ की। अब तक 2000 से ज्यादा छात्रों और किरायेदारों से पूछताछ की जा चुकी है। पुलिस कोशिश कर रही हैं कि कहीं इस व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल से जुड़े और भी सुराग नहीं छूट गए।

राजस्व खुफिया विभाग का बड़ा एक्शन, चीन से आने वाले पटाखों और आतिशबाजी के सामना को पकड़ा

मुंबई (एजेंसी)। राजस्व खुफिया विभाग (डीआरआई) ने चीन से आने वाले पटाखों और आतिशबाजी की अवैध तस्करी का एक और बड़ा मामला पकड़ा है। डीआरआई की टीम ने तस्करी को रोक दिया। अब तक का यह एक और सफल अभियान है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि पटाखों की तस्करी रोकने के लिए चल रहे फायर ट्रेल अभियान चलाया, जिसमें डीआरआई ने मुंद्रा बंदरगाह पर बड़ा काम किया। टीम ने 5 करोड़ की कीमत के 30,000 अवैध पटाखे पकड़े और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। इस अभियान के दौरान, डीआरआई अधिकारियों ने मुंद्रा बंदरगाह पर चीन से आए एक 40 फुट लंबे कंटेनर को पकड़ा, जिस पर पानी का गिलास और फूलदान होने का दावा किया जा रहा था। लेकिन जांच में पानी के गिलास के एक सेट के पीछे 30,000 छिपे हुए पटाखे/आतिशबाजी के टुकड़े मिले। डीआरआई ने कहा कि आयातक के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं थे और गिरफ्तार शख्स ने खुद स्वीकार किया कि माल की तस्करी आर्थिक लाभ के लिए की गई थी।

इसके पहले, अक्टूबर माह में, डीआरआई ने मुंबई और तूतीकोरिन में चीनी पटाखों के अवैध आयात के प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल किया था। इसमें सिर्फ अक्टूबर महीने में, डीआरआई मुंबई क्षेत्रीय इकाई (एमजेडयू) ने लगभग 16 करोड़ रुपये मूल्य के अवैध रूप से आयातित पटाखे जब्त किए।

मंत्रालय के अनुसार, विदेश व्यापार नीति के आईटीसी (एचएस) वर्गीकरण के तहत पटाखों का आयात प्रतिबंधित है और इसके लिए विस्फोटक नियम, 2008 के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) और पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) दोनों से वैध लाइसेंस की आवश्यकता होती है।

डीआरआई ने कहा, इसतरह के खतरनाक सामान की गैरकानूनी तस्करी से लोगों की जान को खतरा है। देश की सुरक्षा, बंदरगाह, जहाज और पूरे व्यापार को बड़ा नुकसान हो सकता है।

राजद सुप्रीमो का घरेलू विवाद: भाजपा ने लालू-राबड़ी की सुरक्षा पर उठाए सवाल, कहा- रोहिणी को एफआईआर कराना चाहिए

पटना (एजेंसी)। भाजपा के प्रवक्ता अजय आलोक ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी राबडी देवी की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की है। साथ उन्होंने यह भी कहा कि रोहिणी को तत्काल एफआईआर कराना चाहिए। आलोक ने एक्स पर लिखा, 'क्या लालू जी और राबड़ी देवी को क़ैद कर लिया गया हैं? जान पे खतरा? रोहिणी जी को एक एफआईआर करवानी चाहिए साथ में तेज प्रताप भी रहे। मिसा क्यों चुप हैं? लालू प्रसाद यादव इससे पहले इसी साल अपने बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को घर और पार्टी से बेदखल कर चुके हैं। अब तेजप्रताप की बहन और लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने आरोप लगाया है कि उनके साथ मारपीट की गई है।

बता दें कि बिहार के सबसे बड़े सियासी घराने में बवाल मचा हुआ है। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को किडनी देने वाली बेटी रोहिणी आचार्य ने लगातार दूसरे दिन रविवार को भी अपना दर्द साझा किया। दिल्ली से सिंगापुर जाने के क्रम में रोहिणी एक बार फिर अपने छोटे भाई और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव, राजद सांसद संजय यादव और इनके करीबी रमीज पर हमलावर रहीं। रोहिणी आचार्य ने रविवार को आरोप लगाया कि भाई तेजस्वी यादव के कुछ सहयोगी उनके बारे में कह रहे हैं कि मैंने अपने पिता को गंदी किडनी दी और इसके बदले करोड़ों रुपये व पार्टी का टिकट लिया। आचार्य ने भावुक होते हुए 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि किसी घर रोहिणी जैसी बेटी न हो।

रोहिणी ने कहा- मुझसे कहा गया गंदी किडनी दी

रोहिणी आचार्य ने राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से नाता तोड़ने की घोषणा के एक दिन बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपनी भड़ास निकाली। हाल में हुए बिहार चुनाव में राजद की हार के लिए रोहिणी ने अपने भाई तेजस्वी यादव के करीबी सहयोगियों, हरियाणा से ताल्लुक रखने वाले राजद सांसद संजय यादव और उत्तर प्रदेश के एक राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने वाले रमीज, को जिम्मेदार ठहराया था। पिछले साल के आम चुनावों में सारण लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने वाली आचार्य ने कहा, कल मुझे गालियों के साथ बोला गया कि मैं गंदी हूं और मैंने अपने पिता को अपनी गंदी किडनी लगवा दी, करोड़ों रुपये लिए, टिकट लिया।

किडनी देते वक्त पति की अनुमति नहीं ली- रोहिणी

रोहिणी ने कहा, मुझसे तो ये बड़ा गुनाह हो गया कि मैंने अपना परिवार, अपने तीनों बच्चों को नहीं देखा। किडनी देते वक्त न अपने पति, न अपने ससुराल से अनुमति ली। अपने भगवान, अपने पिता को बचाने के लिए वह कर दिया, जिसे आज गंदा बता दिया गया। आप सब मेरे जैसी गलती कभी न करें। किसी घर रोहिणी जैसी बेटी (पैदा) न हो। एक अन्य पोस्ट में लालू प्रसाद की बेटी ने आरोप लगाया, कल एक बेटी, एक बहन, एक शादीशुदा महिला, एक मां को जलील किया गया। मारने के लिए चप्पल (भी) उठाया गया। मैंने अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया, सच का समर्पण नहीं किया। सिर्फ और सिर्फ इस वजह से मुझे बेइज्जती झेलनी पडी।

रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, हमारा मकसद नहीं राहुल गांधी प्रधानमंत्री बने... लेकिन देश सेक्युलर और एकजुट रहे

-लोकतंत्र कायम रहे और चुनाव निष्पक्ष होने चाहिए

इंदौर (एजेंसी)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ने कहा है कि प्रधानमंत्री कोई भी बने लेकिन देश सेक्युलर और एकजुट रहना चाहिए। लोकतंत्र कायम रहे और चुनाव निष्पक्ष होने चाहिए। उन्होंने कहा कि उनका लड़ाई इस बात की नहीं है कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनें या नहीं। मध्य प्रदेश के इंदौर में सोनिया गांधी के दामाद वाड्रा ने कहा कि यदि बिहार में बैलेट पेपर से फिर से चुनाव कराया जाए, तब परिणाम बदल जाएंगे।

राबर्ट वाड्रा ने कहा कि यदि बैलेट पेपर से फिर चुनाव कराए, तब नतीजा बदल जाएगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि ऐसा होगा नहीं। राहुल गांधी के जीजा राबर्ट वाड्रा ने ईवीएम से चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाकर कहा, 'मैं कुछ कह रहा हूं वह लोगों के बीच रहकर अनुभव से है। यदि आज हम बैलेट पेपर से (चुनाव) करते हैं, तब परिणाम अलग आएंगे। यदि फिर चुनाव हो...पर मुझे पता है कि दोबारा चुनाव कभी नहीं होगा। अब वे तैयारी कर रहे हैं, दूसरे राज्यों में चुनाव होंगे, जो उनकी टीम है, बीजेपी, चुनाव आयोग और एजेंसियां, वह अगले चुनाव की तैयारी करेंगे।' प्रियंका गांधी के पति वाड्रा ने कहा कि देश इस तरह जो सरकार होगी कुछ ही लोगों को फायदा होगा जैसे अंबानी-अडानी। सारे बंदरगाह, सारे एयरपोर्ट, सब जगह अडानी-अडानी दिख रहा है। कोई जवाबदेही होनी चाहिए कि कितना पैसा खर्च हो रहा है।

गौरतलब है कि राहुल गांधी भी देश के दो उद्योगपतियों का नाम लेकर केंद्र सरकार पर हमलावर होकर आरोप लगाते हैं कि देश के संसाधन इन्हें दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम लोग लड़ते रहने वाले हैं, लोकतंत्र के लिए, देश के लोगों के लिए, देश के हित के लिए, चाहे राहुल प्रधानमंत्री बनें या नहीं, हमारा मकसद वह नहीं है। देश को सेक्युलर रखना है, एकजुट रखना है।

पीके पार्टी ने 238 उम्मीदवार किए खड़े, 236 की जमानत जब्त

- 35 सीटों ने बदल दिए रिजल्ट, एनडीए को मिला फायदा

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम ने सबसे ज्यादा प्रशांत किशोर की उम्मीदों पर पानी फेरा है। उन्होंने 238 उम्मीदवार उतारकर बिहार में सरकार बनाने तक का दावा किया था। वहीं उनके 236 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। करीब 35 सीटें ऐसी थीं जिनपर उनके प्रत्याशियों की वजह से समीकरण बदल गए। इन सीटों में से 19 एनडीए के खाते में गईं और 14 महागठबंधन को मिलीं। इसके अलावा एआईएमआईएम और बीएसपी ने एक-एक ऐसी सीट जीती।

इन 35 सीटों पर प्रशांत की जनसुराज पार्टी को जीत-हार के अंतर से ज्यादा वोट मिले। अब यह नहीं कहा जा सकता कि अगर प्रशांत ने अपने उम्मीदवार को ना उतारा होता तो ये वोट किस तरफ जाते। 115 सीटों पर जनसुराज पार्टी तीसरे स्थान पर थी और एक सीट पर यह दूसरे नंबर पर थी। इन 35 सीटों में से प्रशांत किशोर की पहले की पार्टी जेडीयू जीत गई। एक सीट चिराग पासवान और एक उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के खाते में गई।

वहीं महागठबंधन में इन सीटों में से 9 पर आरजेडी, एक पर सीपीएम, एक पर सीपीआई माले और एक पर आईआईपी ने जीत दर्ज की। बता दें प्रशांत किशोर को लेकर पहले भी आलोचक यही भविष्यवाणी करते थे कि वे कोई भी सीट जीत नहीं पाएंगे। कुछ लोगों का कहना था कि ब्राह्मण होने की वजह से वह बीजेपी के वोट काटेंगे। वहीं अन्य लोगों का कहना था कि पलायन और रोजगार को मुद्दा बनाने की वजह से युवा उनकी तरफ झुक सकता है। हालांकि नतीजों के बाद कहा जा सकता है कि वह किसी भी वर्ग को अपनी ओर खींचने में सफल नहीं हो पाए।

जनसुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के ''जंगलराज'' की आशंका के कारण जनसुराज के मतदाता अंतिम समय में एनडीए के पक्ष में चले गए। उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए को मिला भारी बहुमत ''खरीदा हुआ'' है। उन्होंने कहा कि चुनाव से ठीक पहले राज्य की एनडीए सरकार ने वोट हासिल करने के लिए 40 हजार करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए।

इसरो का बड़ा रोडमैप: चंद्रयान-4 को मिली मंजूरी, 2027 में पहला मानव मिशन

-2035 तक भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन आने वाले वर्षों में अभूतपूर्व उपलब्धियों की ओर बढ़ रहा है। वैज्ञानिक क्षमता, तकनीकी मजबूती और उद्योग सहयोग के बल पर इसरो ने अपना विस्तृत रोडमैप साझा किया है। इसमें चंद्रमा से सैंपल लाने वाला महत्वाकांक्षी चंद्रयान-4 मिशन, 2027 तक भारत का पहला मानव-सहित अंतरिक्ष मिशन और 2035 तक अपना स्वतंत्र अंतरिक्ष स्टेशन शामिल है।

इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया, कि संगठन इस वित्तीय वर्ष में कुल सात लॉन्चिंग करने की तैयारी कर रहा है। इनमें एक कमर्शियल कम्युनिकेशन सैटेलाइट, कई पीएसएलवी और जीएसएलवी मिशन शामिल होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि इसरो पहली बार पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से विकसित पीएसएलवी परीक्षण के लिए तैयार कर रहा है, जो आत्मनिर्भर अंतरिक्ष कार्यक्रम की दिशा में बड़ी उपलब्धि होगी।

सरकार ने अब चंद्रयान-4 मिशन को औपचारिक मंजूरी दे दी है। यह मिशन चंद्रमा की सतह से सैंपल पृथ्वी तक लाने वाला अत्यंत जटिल अभियान होगा। इसरो 2028 तक इसे लॉन्च करने का लक्ष्य बना रहा है। इसके साथ ही जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जेक्सा के साथ मिलकर लूनर पोलर एक्सप्लोरेशन मिशन (लुपेक्स) पर भी काम तेजी से बढ़ाया जा रहा है। नारायणन ने बताया कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इसरो अपनी अंतरिक्षयान निर्माण क्षमता को अगले तीन वर्षों में तीन गुना तक बढ़ाएगा। इससे भारत को अधिक मिशन कम समय में लॉन्च करने में मदद मिलेगी।

भारत के दीर्घकालिक अंतरिक्ष कार्यक्रम में सबसे अहम परियोजनाओं में से एक है- भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन। इसरो 2035 तक अपने अंतरिक्ष स्टेशन को पूर्ण रूप में स्थापित करने की योजना पर काम कर रहा है। पांच मॉड्यूल वाले इस स्टेशन का पहला मॉड्यूल 2028 तक कक्षा में भेज दिया जाएगा। इसके साथ भारत अमेरिका और चीन के बाद अपना स्वयं का स्पेस स्टेशन रखने वाला तीसरा देश बन सकता है। इसी तरह मानव-सहित गगनयान मिशन पर कार्य तेज़ी से जारी है। योजना के अनुसार 2027 तक भारत अपना पहला मानव अंतरिक्ष यान भेज देगा, जो देश के अंतरिक्ष इतिहास में एक बड़ा मोड़ साबित होगा। इसरो अध्यक्ष के अनुसार, आने वाले दशक में भारत अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीक की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी देशों की श्रेणी में शामिल होने की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

10 दिनों की एनआईए कस्टडी में भेजा गया आमिर राशिद अली, उमर से सीधा संपर्क

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली धमाका मामले में दिल्ली से गिरफ्तार किए गए आरोपी आमिर राशिद अली को 10 दिन की एनआईए की हिरासत में भेजा गया है। एनआईए ने राशिद को सोवार को गिरफ्तार किया था। उस पर आरोप है कि आत्मघाती हमलावर डॉक्टर उमर उन नबी के साथ मिलकर आतंकी हमले की साजिश रची।

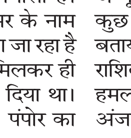

इसके पहले जांच एजेंसी एनआईए ने आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी के करीबी आमिर राशिद अली को गिरफ्तार कर लिया है, जो कश्मीरी निवासी है। हमले में इस्तेमाल कार आमिर के नाम पर ही रजिस्टर्ड है। ऐसा बताया जा रहा है कि आमिर ने उमर के साथ मिलकर ही आतंकी साजिश को अंजाम दिया था। वह जम्मू-कश्मीर के संबूरा, पंपोर का रहने वाला है। सबसे खास बात यह है कि जिस कार में आईईडी लगाकर धमाका किया गया था, वह कार आमिर के नाम पर रजिस्टर्ड थी। एनआईए ने दिल्ली में छापा मारकर आमिर को पकड़ा।

आमिर के परिवार ने बताया कि वह प्लंबर का काम करता है और उसके भाई को भी गिरफ्तार किया है, जिसका नाम उमर है। उमर इलेक्ट्रीशियन का काम करता है। परिवार का कहना है कि आमिर कभी दिल्ली गया ही नहीं। सिर्फ कार इनकी है और उसका भी रजिस्ट्रेशन जम्मू-कश्मीर का है। इनके पिता की मौत कुछ साल पहले ही हुई थी। एनआइए ने बताया कि इस पूरी साजिश को आमिर राशिद अली ने कथित आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी के साथ मिलकर अंजाम दिया।

संपादकीय

ट्रंप ने फोड़ा परमाणु बम!

नोबेल शांति पुरस्कार की चाहत रखने वाले और तमाम झूठ-प्रपंच का सहारा लेने वाले अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप क्या सार्वजनिक बयान देकर दुनिया को बताएंगे कि अमरीका ने एक और परमाणु बम परीक्षण किया है? परमाणु परीक्षण 19-21 अगस्त के बीच किया गया, जबकि अलास्का में 15 अगस्त को राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात हुई और लंबी बातचीत भी हुई, लेकिन 14 नवंबर को यह खबर सामने क्यों लाई गई कि अमरीका ने नेवादा के मरुस्थली रेत वाले टोनोपा टेस्ट रेंज में परमाणु बम का परीक्षण किया? तीन महीने तक परीक्षण को छिपा कर क्यों रखा गया? परीक्षण किए गए बम को बी 61-12 ग्रेविटी परमाणु बम नाम दिया गया है। यह जापान के हिरोशिमा पर 1945 में गिराए गए एटम बम से 24 फीसदी अधिक ताकतवर बम बताया जा रहा है। हिरोशिमा बम हमले में 1.40 लाख लोग मारे गए थे। करीब 38,000 बच्चों की भी अकाल मौत हुई थी। 1945 के बाद एक बेहद लंबा वक्त बीत चुका है। क्या अमरीका ने परमाणु परीक्षण कर एक बार फिर परमाणु हथियारों की होड़ शुरू कर दी है और दुनिया को 'परमाणु युद्ध' के मुहाने पर ला खड़ा किया है? बीते दिनों रूस ने बुरिवेस्निक और पोसाइडन सरीखी विनाशकारी मिसाइलों के परीक्षण किए थे, तो राष्ट्रपति ट्रंप ने कड़ी आलोचना की थी और अमरीका द्वारा परमाणु परीक्षण करने की लगातार धमकी दी थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने यहां तक बयान दिया था कि रूस, चीन, उत्तरी कोरिया, पाकिस्तान जैसे देश लगातार परमाणु परीक्षण कर रहे हैं और ये परीक्षण भूमि के नीचे किए जाते हैं। यदि जमीन हिलती है, तो उसे भूकंप करार दिया जाता है। बहरहाल यह सच अब सामने आया है कि अमरीका तो अगस्त में ही परमाणु बम का परीक्षण कर चुका है और परीक्षण के वीडियो 'पेंटागन' को भेजे गए हैं। यह परीक्षण राष्ट्रपति ट्रंप की अनुमति के बाद ही किया गया है। यह कथित परमाणु बम एफ-35 लड़ाकू विमान से गिराया गया और एरिया-51 में 'सीक्रेट टेस्ट' किया गया, जो पूर्णतः सफल रहा। यही नहीं, एटम बम के उपकरणों के भी परीक्षण किए गए। अमरीका ने 1992 में अपना पहला परमाणु परीक्षण किया था। उससे पहले 1990 में सोवियत संघ परमाणु परीक्षण कर चुका था। 1996 में चीन और फ्रांस ने अपने परमाणु परीक्षण किए। भारत और पाकिस्तान ने मई, 1998 मंप परीक्षण किए। उसी दौर में परमाणु परीक्षण पर व्यापक और आंशिक प्रतिबंध लगाने वाली संधियां हुईं, हालांकि भारत ने सीटीबीटी पर हस्ताक्षर नहीं किए। बहरहाल अमरीका के पास तो 1945 में ही ऐसा एटम बम था, जिसने हिरोशिमा और नागासाकी सरीखे जापानी शहरों को मिट्टी-मलबा बना दिया था। लाखों मासूम और अकाल मौतें हुईं और कई पीढियों तक उस परमाणु हमले के प्रभाव देखे गए। पीढियां विकलांग और बीमार पैदा होती रहीं, लिहाजा सवाल बेहद गंभीर और संवेदनशील है कि यदि 33 लंबे सालों के बाद अमरीका ने परमाणु बम का परीक्षण किया है, तो मौजूदा दौर में परमाणु बम कितना विनाशकारी, नरसंहारी साबित हो सकता है? सन्नाटे और रेत के मैदानों के बीच किए गए इस परीक्षण को 'ऑपरेशन शैडो ड्रॉप' कूटनाम दिया गया।

चिंतन-मनन

आहार का असर

आदमी बीमार हो गया। रक्त चढ़ाने की जरूरत हुई। डॉक्टर रक्त चढ़ाता है, तो पहले वह ग्रुप मिलाता है। किस ग्रुप का रक्त है? ठीक मिलेगा या नहीं? सेठ को रक्त चढ़ाना था- एक कंजूस आदमी का रक्त ठीक मिला, चढ़ाया गया। सेठ को पता चला कि उसको कंजूस का रक्त चढ़ाया जा रहा है। सेठ बड़ा उदार था। अपने मुनीम को कहा, उसको तीन हजार रूपए दे दो। भाग्य की बात, दूसरी बार फिर खून चढ़ाने की जरूरत हुई। उसी कंजूस का रक्त। सेठ ने कहा, उसे सौ रूपए दे दो। तीसरी बार जरूरत हुई तो सेठ ने एक कागज लिया और उस पर लिखा साधुवाद, धन्यवाद!

ऐसा क्यों हुआ? सेठ तो उदार था, किन्तु जिसका रक्त चढ़ाया जा रहा था, वह कंजूस था। उसका इतना प्रभाव हुआ कि जब तक रक्त का पूरा प्रभाव नहीं हुआ तो तीन हजार रूपए दिए, थोड़ा प्रभाव हुआ तो सौ रूपए और पूरा प्रभाव हुआ तो धन्यवाद दिया। कहने का अर्थ यह कि चाहे रक्त हो, चाहे कोई दूसरी वस्तु हो, हमारे शरीर में बाहर के जो परमाणु प्रवेश पाते हैं, वे परमाणु जिस प्रकार के होते हैं, अपना प्रभाव डाले बिना नहीं रहते। इसलिए यह विषय हमारे लिए इतना महत्व का है कि बाहर से क्या आ रहा है, हम पूरा विवेक करें, पूरी छानबीन करें, तब ही किसी बात को स्वीकार करें। हम इस बात को अस्वीकार नहीं करेंगे कि भोजन के परमाणुओं में अनेक तत्व विद्यमान होते हैं, अनेक संस्कार मिले होते हैं। उन संस्कारों का असर हमारे जीवन के दैनिक क्रियाकलापों पर पड़ता है। इससे हम अछूते नहीं रह सकते।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने सारी दुनिया को दिखाई राह

सनत जैन

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी ने पूंजीवाद के खिलाफ समाजवाद का एक नया रास्ता लोकतांत्रिक देशों को दिखाया है। जिसके कारण सारी दुनिया में उनकी चर्चा हो रही है। अमेरिका जैसे देश में पूंजीवाद के कारण आम लोगों का जीवन बद से बदतर होता जा रहा था। ऐसे समय में सामान्य व्यक्ति जनता की लड़ाई लड़ने के लिए अमेरिका की सड़कों पर उतरा। उसे सभी वर्गों का समर्थन मिला। पहले ही चुनाव में उसे 50 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल हुए। ममदानी की जीत ने सारी दुनिया को आर्थिक मामलों मे नया रास्ता दिखाया है। पूंजी के संतुलित वितरण का नया रास्ता तैयार किया है।

ममदानी को अपनी ही डेमोक्रेटिक पार्टी से समर्थन नहीं मिला। उनके पास चुनाव लड़ने के लिए पैसे नहीं थे। उसके बाद भी, वह पैदल न्यूयॉर्क की सड़कों पर निकले,उन्होंने जनता के मुद्दों को उठाया। उनका निराकरण करने का तरीका बताया। आम जनता का उन्हें समर्थन और चंदा दोनों ही मिला। अमेरिका में नस्लभेदी और धार्मिक ध्रुवीकरण के बाद भी जिस तरह से उन्होंने जीत हासिल की है। उसकी सारी दुनिया में चर्चा हो रही है। 18 से 29 वर्ष के 78 फीसदी से ज्यादा नौजवानों ने उन्हे वोट दिया। न्यूयॉर्क में जिनकी आय सालाना 50000 डॉलर से कम थी। उनका ममदानी को बिना किसी भेदभाव के भारी समर्थन मिला। मकान किराया, बच्चों की पढ़ाई तथा सार्वजनिक सेवाओं में जिस तरह से मध्यम और निम्न वर्ग को प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। ममदानी उनकी आवाज बने। न्यूयॉर्क में गरीब और मध्यम वर्ग आसानी से अपना जीवन यापन नहीं कर पा रहा है। वह दिनों दिन गरीब हो रहा है। पूंजीपति बड़ी तेजी के साथ अपनी पूंजी में इजाफा कर रहे है। शेयर बाजार में सट्टेबाजी हो रही है। महंगाई लगातार बढ़ रही है। निम्न एवं मध्यवर्ग की आय घटती जा रही है। बेरोजगारी तेजी के साथ अमेरिका एवं न्यूयॉर्क में बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में ममदानी न्यूयॉर्क की आम जनता के लिए सर्वमान्य नेता बनके उभरे हैं। ममदानी भारतीय मूल के हैं। उनकी मां हिंदू है, पिता मुस्लिम है, पत्नी ईसाई हैं।वह युवा हैं। सभी वर्ग ले लोगों को साथ लेकर चलने का संस्कार उनमें है। किसी भी वर्ग से उनका कोई टकराव नहीं है। सही मायने में भारतीय संस्कार ममदानी में पूरी तरह से देखने को मिलते हैं।यही उनकी सफलता का सबसे बड़ा राज भी है। वर्तमान मे जब सारी दुनिया पूंजीवाद के पीछे पागल है। सारी दुनिया के देशों के राजनेता पूंजीपतियों के पीछे हाथ बांधकर खड़े रहते हैं। ऐसे समय पर ममदानी ने बेहतर सामाजिक व्यवस्था के लिए भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के रास्ते पर चलने का निर्णय लिया। उन्होंने मेयर पद के चुनाव में एक ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तथा अमेरिका और न्यूयॉर्क के पूंजीपतियों ने उनका विरोध किया था। उनकी ही डेमोक्रेटिक पार्टी ने उन्हें समर्थन नहीं दिया। इसके बाद भी वह अपने आत्मविश्वास के बल पर जनता के हीरो बनकर सामने आए हैं। युवाओं में वह बहुत तेजी के साथ लोकप्रिय हो रहे हैं। जब सारी दुनिया के देशों मे महंगाई-बेरोजगारी का शिकार हुई है। दुनिया के बहुत सारे देश आर्थिक दुर्दशा के शिकार हैं। उनके ऊपर भारी कर्ज है। ऐसी स्थिति में ममदानी सारी दुनिया के लिए एक आदर्श के रूप में सामने आए हैं। इसका असर दुनिया के कई देशों में देखने को मिल रहा है। दुनिया के कई देशों में युवा आंदोलनरत होकर सड़को पर हैं। उनके बीच में ममदानी अच्छे खासे लोकप्रिय हो रहे हैं। सही मायने में पूंजीवाद की पराकाष्ठा के चलते ममदानी ने गरीब और मध्यम वर्ग के लिए एक नया आर्थिक दृष्टिकोण न्यूयॉर्क में दिया है। जिसकी दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है। जनवरी माह में वह मेयर पद की शपथ लेंगे। उनकी जीत के बाद सारी दुनिया के देशों के सत्ताधीसों की सोच में बदलाव देखने को मिल रहा है। सत्ता में बैठे हुए लोग अब गरीब और मध्यवर्ग की बात करने लगे हैं। मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए यह एक बेहतर प्रयास माना जा रहा है। जो काम भारत के सत्ताधीसों को करना चाहिए था। भारत अपनी ही नीतियों से भटक गया। न्यूयार्क में ममदानी ने जवाहरलाल नेहरू द्वारा बताए गए रास्ते पर चलकर एक बार फिर सारी दुनिया को समाजवाद के रास्ते को दिखाने का काम किया है। वह पूंजीवाद का विरोध नहीं कर रहे हैं, वह साम्यवाद का भी विरोध नहीं कर रहे हैं। उन्होंने समाज के सभी वर्गों के लिये मिश्रित अर्थ व्यवस्था के योगदान को स्वीकार करते हुए, बेहतर मानव जीवन की कल्पना की है। बिना किसी टकराव के उन्होंने जनहित में जो काम शुरू किया है। उसमें उन्हें सफलता मिलेगी। इसका असर दुनिया के अन्य देशों पर भी पड़ेगा। पूंजीवाद धीरे-धीरे कमजोर होगा। पूंजीपति भी अपने सामाजिक उत्तरदायित्व और पूरा करेगें, यही आशा की नई किरण ममदानी ने जताई ।

भविष्य की धड़कन: बच्चे - हमारी सुरक्षा, हमारा कर्तव्य

दिलीप कुमार पाठक

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 18 नवंबर को बाल यौन शोषण, उत्पीड़न और हिंसा की रोकथाम और उपचार को विश्व दिवस के रूप में घोषित किया है। इस दिन का उद्देश्य बाल यौन शोषण को वैश्विक स्तर पर उठाने एवं लोगों को जागरूक करने के लिए उठाया गया सकारात्मक सोच का प्रतीक है ' विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल लाखों बच्चे यौन हिंसा का अनुभव करते हैं। यह शोषण हमारे आसपास भी खूब दिखता है, बस हमें देखने की दृष्टि चाहिए ' इसलिए ये संकल्प सभी सदस्य देशों, संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के निर्वाचित व्यक्तियों और अन्य साझीदारों, विश्व नेताओं, अभिनेता नागरिको समाज और अन्य संबंधित लोगों को इस विश्व दिवस पर इस तरह से शपथ लेने के लिए आमंत्रित करता है '

यह बाल यौन शोषण से प्रभावित लोगों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और बाल यौन शोषण, भेदभाव और हिंसा को रोकने और समाप्त करने की आवश्यकता एवं जवाबदेही ठहराने को मान्यता देता है। इस प्रस्ताव को अफ्रीकी देश सिएरा लियोन और नाइजीरिया ने रखा था और 110 से अधिक देशों ने इसका समर्थन किया था। इसे तालियों की गड़गड़ाहट के बीच आम सहमति से पारित किया गया। प्रस्ताव पेश करने वाली सिएरा लियोन की प्रथम महिला फातिमा माडा बायो ने बाल यौन शोषण को ए जघन्य अपराध करार दिया। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने आज बच्चों के खिलाफ हो रही हिंसा, शोषण, दुर्व्यवहार, तस्करी, यातना और हानिकारक प्रथाओं को रोकने के लिए और भी तेजी से काम करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि जो बच्चे पीड़ित हुए हैं या बच गए हैं, उन्हें इलाज और न्याय मिलना बहुत जरूरी है। बाल यौन शोषण, दुर्व्यवहार और हिंसा एक गंभीर समस्या है जो पूरी दुनिया में फैली हुई है। लाखों बच्चे इसके शिकार हो रहे हैं। हमें मिलकर इन अपराधों को रोकना होगा, बच्चों को सुरक्षित रखना होगा, और जो लोग ऐसा करते हैं उन्हें सजा दिलानी होगी - चाहे वो ऑनलाइन हो या ऑफलाइन। कोविड-19, युद्ध, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं जैसी बड़ी चुनौतियों के समय में, गरीबी बढ़ रही है, जिससे लोगों के साथ भेदभाव हो रहा है। इन सब से बच्चों की स्थिति और भी खराब हो रही है, और वे शोषण, दुर्व्यवहार और हिंसा का शिकार हो रहे हैं। जो बच्चे इन अपराधों का शिकार होते हैं, उनकी शारीरिक, मानसिक और यौन सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है, और उनकी पूरी जिंदगी प्रभावित हो सकती है। यह उनके लिए यातना जैसा ही है, हमें इन समस्याओं को रोकने के लिए और भी काम करना होगा।

यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012, बच्चों को यौन शोषण, शोषण और उत्पीड़न से बचाने के लिए एक भारतीय कानून है, लेकिन जन जाग्रति के बिना ये कानून काफी नहीं है ' यूएनओ के आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में, 20 वर्ष से कम आयु की लगभग 120 मिलियन बच्चियों ने विभिन्न प्रकार के जबरन यौन शोषण का अनुभव किया है। उच्च और मध्यम आय वर्ग में यौन हिंसा से पता चलता है कि लड़कियों में इसका प्रचलन 8 से 31 प्रतिशत और 18 वर्ष से कम आयु के लड़कों में 3 से 17 प्रतिशत है। 5 वर्ष से कम आयु के 4 में से 1 बच्चा ऐसी माँ के साथ रहता है जो अंतरंग साथी हिंसा की शिकार है। अक्सर एक बच्चा दंडित होने के डर से बात नहीं कर सकता, वो शर्म और शर्मिंदगी भी महसूस कर सकता है ' यही कारण है कि वयस्कों और विशेष रूप से माता-पिता के लिए इन शारीरिक और मनोवैज्ञानिक दुर्व्यवहारों के खिलाफ सजग रहना जरूरी है ' जानबूझकर या अनजाने में किसी बच्चे को नुकसान पहुंचाना, जिससे उन्हें दीर्घकालिक शारीरिक चोट या मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, इसे भी शारीरिक शोषण के रूप में चिन्हित किया गया है ' भावनात्मक दुर्व्यवहार का एक गैर-शारीरिक रूप है जिसमें मनोवैज्ञानिक या मौखिक दुर्व्यवहार शामिल हो सकता है ' इस प्रकार का दुर्व्यवहार एक बच्चे को अवांछित, बेकार और प्यार रहित महसूस कराता है ' इसमें ऐसे शब्द और कार्य शामिल हो सकते हैं, जो बच्चों में कम आत्मविश्वास, तनाव, चिंता, अवसाद और अनुशासनहीनता के कारण भावनात्मक क्षति का कारण बनते हैं '

विभिन्न प्रकार के बाल शोषण के बारे में स्वयं को शिक्षित करना सुनिश्चित करना जरूरी है ' अपने बच्चों से बात करने से न शमाएं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करें कि आप उनके पर्सनल स्पेस पर आक्रमण न करें ' बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में शिक्षित करें ' बच्चों से उचित और अनुचित व्यवहार के बारे में बात करें ' बच्चे को बताएं कि आप उनके लिए हमेशा मौजूद हैं और प्रोडक्टिव बातचीत को प्रोत्साहित करें ' यदि आप दुर्व्यवहार की कोई घटना देखते हैं, तो तुरंत इसकी रिपोर्ट करें या जांच की मांग करें, बच्चे भगवान का रूप होते हैं हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम उनकी रक्षा करें '

(लेखक पत्रकार हैं)

अब पश्चिम बंगाल में गूंजेगा जंगलराज का मुद्दा

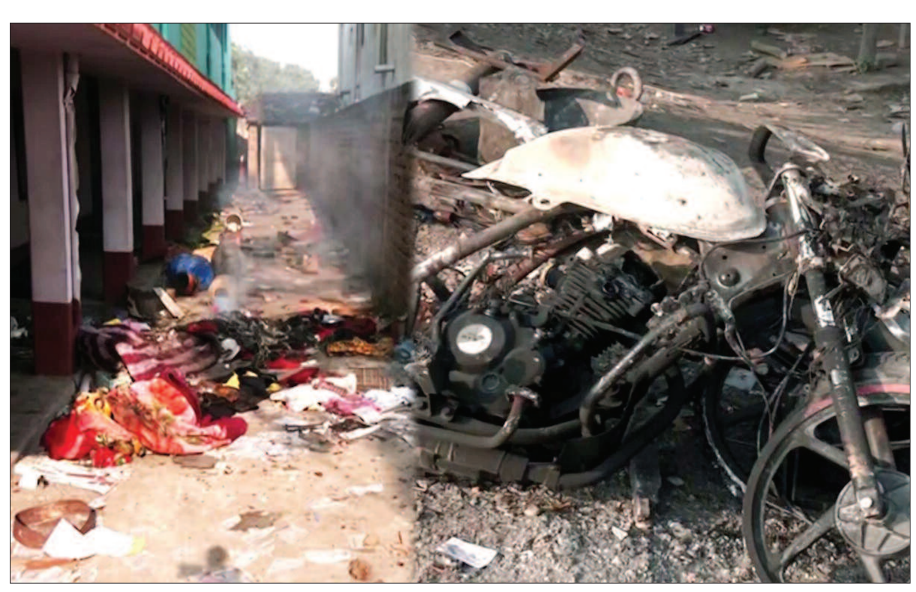

बिहार में 1990-2005 के दौरान लालू यादव-राबड़ी देवी का शासन था। उनके ही शासन को जंगल राज कहा गया। दरअसल 5 अगस्त 1997 को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान पटना हाईकोर्ट ने पहली बार बिहार में जंगलराज कहा था। पटना हाईकोर्ट ने तब कहा था- 'बिहार में सरकार नहीं है, बिहार में जंगलराज कायम हो गया है। उस दौर में अपराध के बढ़ते ग्राफ और बाहुबलियों के दबदबे के कारण हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी की थी। तब से समय-समय पर बिहार में यह गूंजता रहता है। बिहार में तो जंगल राज अब तकिया कलाम बन गया है। बात-बात में लोग जंगल राज का जिक्र करते हैं।

पटना हाईकोर्ट की टिप्पणी के 25 वर्ष बाद वर्ष 2023 में पश्चिम बंगाल के लिए पहली बार इसका प्रयोग हुआ है। संयोगवश बिहार के लिए इसका प्रयोग भी हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने ही किया था और अब बंगाल के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट ने ही इसका प्रयोग किया है। कलकत्ता हाईकोर्ट में 13 जनवरी 2023 को जस्टिस विश्वजीत बोस के सामने एक शिक्षक के तबादले का मामला सुनवाई के लिए आया। जस्टिस ने कहा कि यह जंगलराज ही होगा कि जिसकी जो मर्जी, उसी के मुताबिक काम होने लगे। ऐसा नहीं चलेगा। जिस स्कूल में शिक्षक नहीं हैं, वहीं तबादला होगा। तबादले के बाद हफ्ते भर में शिक्षकों को ज्वाइनिंग देनी होगी।

जंगलराज पर बात करने का ताजा संदर्भ यह है कि बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली प्रचण्ड जीत के बाद नई दिल्ली में पीएम मोदी ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने बिहार की ऐतिहासिक जीत को बंगाल में भाजपा की सफलता का मार्ग बताया। उन्होंने पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव में जंगलराज समाप्त करने का संकल्प व्यक्त किया है। पीएम मोदी के इस बयान के बड़े मायने हैं। बिहार विधानसभा चुनाव में भी प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव सभाओं में जंगल राज का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। अब बारी पश्चिम बंगाल की है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव अगले साल मार्च-अप्रैल में प्रस्तावित है।

कांग्रेस से निकलीं ममता बनर्जी ने साल 1998 में तृणमूल कांग्रेस का गठन किया। 13 साल बाद 2011 में ममता बनर्जी ने पहली बार पश्चिम बंगाल की सत्ता हासिल की। टीएमसी ने पश्चिम बंगाल में 34 साल पुराने लेफ्ट के किले को ढहाया था। इस चुनाव में टीएमसी को 184 सीटें मिली थीं। ममता बनर्जी पहली बार राज्य की सीएम बनी। 2016 में फिर से ममता ने जीत हासिल की। तब पार्टी को 211 सीटों के साथ मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आसीन हुई। 2021 में लगातार तीसरी बार टीएमसी ने जीत हासिल की थी। टीएमसी ने 215 सीटें जीती थीं। ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी राज्य में जीत की हैट्रिक जड़ चुकी है। 2026 के चुनावों में टीएमसी का मुकाबला बीजेपी से होगा।

पिछले डेढ दशक के टीएमसी के शासन में चुनावी हिंसा से लेकर, विपक्ष खासकर बीजेपी नेताओं और कार्यकताओं के साथ हिंसा और हत्या, महिला शोषण व अत्याचार के साथ भ्रष्टाचार के गंभीर मामले प्रकाश में आए हैं। ममता सरकार संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार निशाना साधती रही है। ममता सरकार के कई मंत्री भ्रष्टाचार के मामलों में घिरे हुए हें। पश्चिम बंगाल में सीबीआई ने शिक्षक नियुक्ति में महा घोटाले को उजागर किया है। इसी मामले में राज्य के शिक्षा मंत्री समेत कई अधिकारी आरोपी हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट ने तो सैकड़ों नियुक्तियां रद्द भी की हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट भी ममता सरकार के खिलाफ लगातार सख्त रुख अपनाए हुए हैं। संदेशखाली हो या फिर अभी हाल ही में मेडिकल कॉलेज की छात्रा से बलात्कार का मामला प्रदेश सरकार के उदासीन रवैये और बयानबाजी से आमजन अंदर ही अंदर बेहद नाराज है।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े बताते हैं कि चुनाव के वक्त सबसे ज्यादा हिंसा पश्चिम बंगाल में ही होती है। दरअसल, इस राज्य में दंभ के स्वरों की गिनती में हिंसा का शीर्ष स्थान है और हिंसा को हमेशा शक्ति प्रदर्शन की श्रेणी में रखा गया। चाहे वह लोकसभा चुनाव हो या पंचायत चुनाव हो! चाहे आम चुनाव हो या उप चुनाव ही क्यों न हो! चाहे वह प्री पोल वायलेंस हो या पोस्ट पोल वायलेंस! पश्चिम बंगाल में चुनाव और हिंसा की गठरी हमेशा बंधी रही।

एनसीआरबी की उसी रिपोर्ट में कहा गया था कि साल 1999 से 2016 के बीच पश्चिम बंगाल में हर साल औसतन 20 राजनीतिक हत्याएं हुई हैं। इनमें सबसे ज्यादा 50 हत्याएं 2009 में हुईं। जबकि, उस साल अगस्त में सीपीएम ने एक पर्चा जारी कर दावा किया था कि 2 मार्च से 21 जुलाई के बीच तृणमूल कांग्रेस ने 62 काडरों की हत्या कर दी। हिंसा का जहां तक सवाल है, खासकर 2018 पंचायत चुनाव से 2021 के विधानसभा चुनाव तक राज्य में काफी हिंसा देखने को मिलीं। खासकर विधानसभा चुनाव के बाद होने वाली हिंसा और कथित राजनीतिक हत्याओं की घटनाओं ने तो काफी सुर्खियां बटोरी थी। फिलहाल पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी का राज है और विपक्ष की भूमिका में बीजेपी है।

पश्चिम बंगाल में 2018 के पंचायत चुनाव के दौरान 23 राजनीतिक हत्याएं हुई थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़े प्रमाण के तौर पर पेश किए जाते हैं। एनसीआरबी ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया था कि साल 2010 से 2019 के बीच राज्य में 161 राजनीतिक हत्याएं हुई और देश में बंगाल इस मामले में पहले स्थान पर था।

2014 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की दो लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करने के बाद बीजेपी ने राज्य में ममता बनर्जी को चुनौती देना शुरू कर दिया। 2016 के चुनाव में हालांकि बीजेपी को महज तीन सीटें मिलीं, लेकिन उसका वोट शेयर 4 फीसदी से बढ़कर 10 फीसदी पर पहुंच गया। बीजेपी को पश्चिम बंगाल में असल कामयाबी 2019 के लोकसभा चुनाव में मिली जब वो राज्य की 42 में 18 सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाब रहीं। लेकिन 2021 में ममता बनर्जी ने अपना किला बचाए रखा और राज्य की 294 विधानसभा सीटों में से 215 पर जीत दर्ज की. हालांकि लेफ्ट और कांग्रेस को पछाड़ते हुए बीजेपी 77 सीटें जीतकर राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बन गई। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में अपनी स्थिति मजबूत की और 42 में से 29 सीटों पर जीत दर्ज की। बीजेपी को 6 सीटों का नुकसान हुआ और वह 12 सीटों पर सिमट गई। 2011 में लेफ्ट सरकार के पतन के बाद लोगों को उम्मीद जगी कि अब सरकार बदलने के बाद पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा खत्म हो जाएगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। पंचायत चुनाव हो या विधानसभा-लोकसभा चुनाव, पश्चिम बंगाल में हिंसा कम नहीं हुई। अब तो बिना किसी चुनाव के भी राजनीतिक कार्यकताओं की हत्या और उन पर हमला आम बात हो गई है। जबकि 1977 में कांग्रेस और 2011 में लेफ्ट फ्रंट सरकार की विदाई के पीछे कई वजहों में मुख्य वजह राजनीतिक हिंसा भी थी। ऐसे में आखिर कैसे बदलेगी यह तस्वीर!

बीजेपी पिछले लंबे समय से पश्चिम बंगाल में जंगलराज का मुद्दा उठाती रही है। पीएम के बयान के बाद ये बात साफ हो गई है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी जंगलराज का मुद्दा जोर शोर से उठाएगी। जिस तरह की गंभीर घटनाएं पिछले डेढ़ दशक में पश्चिम बंगाल में घटी हैं, उसके चलते टीएमसी के लिए पलटवार करना आसान नहीं होगा। 2026 में ममता पश्चिम बंगाल की सत्ता से बेदखल होंगी या बीजेपी सरकार बनाएंगी ये तो आने वाले समय ही बताएगा। फिलहाल पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल चुनाव की टोन सेट कर दी है।

दौड़ में रहरई की छात्रा मधु रही चैम्पियन

खेलकूद प्रतियोगिता में ढेकला एवं रहरई के छात्रों का रहा दबदबा

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- न्याय पंचायत खरपड़ी की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन उच्च प्राथमिक विद्यालय खरपड़ी के प्रांगण पर आयोजन किया गया। खेलों का शुभारंभ खण्ड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार,प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह एवं जिला व्यायाम शिक्षक अनिल कुमार द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं हरी झंडी दिखाकर किया। खेलकूद प्रतियोगिता में न्याय पंचायत के सभी शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। उपस्थित सभी अतिथियों एवं शिक्षकों का खेल प्रभारी प्रमोद कुमार ने फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया। खेलकूद प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे। प्राथमिक स्तर बालक वर्ग में 50 मीटर दौड़ में रोहित प्राथमिक विद्यालय खुशहालपुर प्रथम एवं मोहित प्राथमिक विद्यालय फत्तेहपुर अधेक द्वितीय स्थान पर, जबकि 100 मीटर दौड़ में मनोज प्राथमिक विद्यालय बहादुरपुर मिश्र प्रथम एवं रोहित प्राथमिक विद्यालय खुशहालपुर द्वितीय। 200 मीटर दौड़ में मोहित प्राथमिक विद्यालय फत्तेहपुर अधेक प्रथम जबकि नन्द किशोर प्राथमिक विद्यालय रहरई द्वितीय स्थान पर रहा। बालिका वर्ग में 50 मीटर दौड़ में भावना प्राथमिक विद्यालय खुशहालपुर प्रथम एवं प्रियंका प्राथमिक विद्यालय भूवरा द्वितीय स्थान पर रही।जबकि 100 मीटर दौड़ में मंजू प्राथमिक विद्यालय रहरई प्रथम एवं कामिनी प्राथमिक विद्यालय खुशहालपुर द्वितीय स्थान पर रही। 200 मीटर दौड़ में मधु प्राथमिक विद्यालय रहरई प्रथम एवं भावना प्राथमिक विद्यालय खुशहालपुर द्वितीय स्थान पर रही। उच्च प्राथमिक स्तर बालक वर्ग में 200 मीटर दौड में अजय उच्च प्राथमिक विद्यालय बहादुरपुर मिश्र प्रथम एवं धर्मेश उच्च प्राथमिक विद्यालय फत्तेहपुर अधेक द्वितीय स्थान पर रहे। जबकि 400 मीटर दौड़ में अनस उच्च प्राथमिक विद्यालय रहरई प्रथम एवं गोविंद उच्च प्राथमिक विद्यालय ढेकला द्वितीय स्थान पर रहा। 600 मीटर दौड़ में में धर्मेश उच्च प्राथमिक विद्यालय फत्तेहपुर अधेक प्रथम स्थान पर एवं रूपेन्द्र उच्च प्राथमिक विद्यालय रहरई द्वितीय स्थान पर रहा। जूनियर स्तर बालक वर्ग कबड्डी में उच्च प्राथमिक विद्यालय बहादुरपुर मिश्र प्रथम स्थान पर रही जबकि उच्च प्राथमिक विद्यालय ढेकला की टीम द्वितीय स्थान पर रही। लम्बी कूद में अनस उच्च प्राथमिक विद्यालय रहरई प्रथम एवं धर्मेश उच्च प्राथमिक विद्यालय फत्तेहपुर अधेक द्वितीय स्थान पर रहे। जबकि बालिका वर्ग में 200 मीटर दौड़ में प्रमिला उच्च प्राथमिक विद्यालय ढेकला प्रथम एवं गुनगुन उच्च प्राथमिक विद्यालय रहरई द्वितीय स्थान पर रही। 400 मीटर दौड़ में संतोष उच्च प्राथमिक विद्यालय रहरई प्रथम एवं नीरेश उच्च प्राथमिक विद्यालय ढेकला द्वितीय स्थान पर रही। 600 मीटर दौड में कौशल्या उच्च प्राथमिक विद्यालय ढेकला प्रथम स्थान पर एवं नेहा उच्च प्राथमिक विद्यालय रहरई द्वितीय स्थान पर रही। जूनियर स्तर बालिका वर्ग खो खो में उच्च प्राथमिक विद्यालय ढेकला की टीम प्रथम स्थान पर एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय रहरई की टीम द्वितीय स्थान पर रही। लम्बी कूद में अनामिका उच्च प्राथमिक विद्यालय ढेकला प्रथम एवं संतोष उच्च प्राथमिक विद्यालय रहरई द्वितीय स्थान पर रही। विजेता बच्चों को पुरस्कार एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया। खेलकूद प्रतियोगिता के

इस अवसर पर खेल प्रभारी प्रमोद कुमार, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के ब्लाक अध्यक्ष पवन अग्रवाल,ग्राम प्रधान डा.विजय कुमार,एआरपी महीपाल सिंह , ब्लॉक उपाध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, हेमराज कोहली, महताबउद्दीन, हरिओम सिंह, मनोज कुमार शर्मा,डा.राजेन्द्र सिंह,भगीरथ सिंह,अभिनव मलिक,संजय सिंह ,कन्हैया सैनी,धर्मेंद्र सिंह,सोनू प्रकाश, सोमवीर सिंह,संदीप कुमार ,सुरेश सिंह चौहान,विनोद कुमार, प्रदीप कुमार, विजयपाल सिंह,वर्मा,शिव कुमार,रविन्द्र सिह, कृष्णपाल संह,संजीव कुमार, तौकीर अहमद दीपक कुमार ,मनोज गुप्ता महेश सिंह,पूजा,प्रतिभा,रीना गौड़ दीक्षा शर्मा, राहुल सागर,फैजान हस्मत,चेतन शर्मा,नरेश कुमार अजेन्द्र सिंह,आदि मौजूद रहे। अंत में खेल प्रभारी प्रमोद कुमार ने सभी का आभार व्यक्त कर खेलों का समापन कर दिया।

न्याय पंचायत स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में न्याय पंचायत स्तरीय खेलों बेसिक शिक्षा विभाग का आयोजन जिला स्टेडियम अमरोहा में से कुशल किया गया। जिसका संचालन ऋषिपाल सिंह वरिष्ठ शिक्षक संकुल द्वारा किया गया जिसमें ब्लॉक पीटीआई एवं नी NIS कोच पुरजीत सिंह ने अहम भूमिका निभाई। इन खेलों में दौड़ प्रतियोगिता लंबी कोड खो खो कबड्डी इत्यादि खेलों में बच्चों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभा किया। 100 मी दौड़ में प्राथमिक स्तर पर बालक मो हम्माद व बालिका अवनी ने प्रथम पर , उच्च प्राथमिक स्तर पर बालक सनी बालिका सारा मरियम। 200 मीटर दौड़ में प्राथमिक स्तर पर बालक अब्दुल रहमान बालिका अवनी एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर बालक सनी बालिका सारा मरियम । 400 मीटर दौड़ में प्राथमिक स्तर पर बालक अब्दुल रहमान बालिका अलशिफा उच्च प्राथमिक स्तर पर बालक शनि बालिका सारा मरियम प्रथम स्थान पर रहे। कबड्डी प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर धनोरी अहीर प्रथम स्थान वह उच्च प्राथमिक स्तर फराशपुरा प्रथम स्थान पर रहा । लंबी कूद में प्राथमिक स्तर परबालक अब्दुल रहमान बालिका अवनी और उच्च प्राथमिक स्तर पर बालक सनी बालिका वंशिका प्रथम स्थान पर रहे। न्याय पंचायत के समस्त विद्यालयों के बच्चों के साथ शिक्षकों ने भी खेलों को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई जिसमें खंड शिक्षा अधिकारी भारत भूषण ने बच्चों को प्रोत्साहित किया । खेलों में जगदीश प्रसाद रिजवान अली शमीम अहमद अमीर अख्तर सुरेश कुमार सचिन कुमार टीनू कुमार(सिद्धार्थ) अशोक कुमार अमरजीत सिंह नदीम अहमद साकिब उल हसन सारा नसीम अपूर्वी चौधरी और शिब्ते मोहम्मद आदि शिक्षक शिक्षिका मौजूद रहे ।

मिशन शक्ति 5 के अंतर्गत मां शारदा इंटर कॉलेज की छात्राओं ने किया थाना आदमपुर का भ्रमण

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में मिशन शक्ति 5 के विशेष अभियान के तहत सोमवार को मां शारदा इंटर कॉलेज की छात्राओं को थाना आदमपुर का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान छात्राओं को थाना परिसर, विभिन्न शाखाओं की कार्यप्रणाली, शिकायतों के पंजीकरण की प्रक्रिया तथा महिला सुरक्षा से सम्बन्धित पुलिस द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। थाना प्रभारी द्वारा छात्राओं को महिला हेल्पडेस्क, बीट व्यवस्था, डायल-112 की कार्यप्रणाली, त्वरित पुलिस सहायता की उपलब्धता, महिला सुरक्षा से सम्बन्धित 1090, बच्चों से सम्बन्धित 1098, आपातकालीन 112, साइबर अपराध हेतु 1930, तथा एंबुलेंस सेवा 108 जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नम्बरों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान यातायात माह 2025 के अंतर्गत सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों पर विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्राओं को यातायात संकेतों, हेलमेट व सीटबेल्ट के अनिवार्य उपयोग, वाहन चलाते समय मोबाइल न प्रयोग करने, गलत दिशा में वाहन न चलाने, ओवरस्पीडिंग से होने वाले खतरे तथा सड़क पर पैदल एवं साइकिल सवारों की सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ सहज और सरल रूप में प्रदान की गईं। छात्राओं को बताया गया कि यातायात नियमों का पालन केवल दंड से बचने का माध्यम नहीं, बल्कि स्वयं और दूसरों की जीवन सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार है।

इसी क्रम में बढ़ते साइबर अपराधों के मद्देनजर छात्राओं को ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, OTP धोखाधड़ी, सोशल मीडिया पासवर्ड सुरक्षा, अनजान कॉल/मैसेज से सावधान रहने और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित व्यवहार अपनाने जैसी उपयोगी जानकारियाँ दी गईं। साथ ही यह भी बताया गया कि किसी भी साइबर शिकायत की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क कर त्वरित सहायता प्राप्त की जा सकती है।

छात्राओं ने भ्रमण के दौरान पुलिस अधिकारियों से विभिन्न विषयों पर रोचक प्रश्न पूछकर अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाना, महिला सुरक्षा व अधिकारों के प्रति जागरूकता विकसित करना, तथा यातायात व साइबर सुरक्षा के प्रति सचेत नागरिक तैयार करना रहा।

यातायात माह के अंतर्गत बम्बूगढ चौराहे पर वाहन चालकों को हेलमेट वितरण एवं यातायात नियमों के प्रति किया गया जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- यातायात माह 2025 के अवसर पर थाना अमरोहा देहात क्षेत्रान्तर्गत बम्बूगढ चौराहे पर एक व्यापक यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा सडक से जा रहे वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने का प्रमुख आधार स्वयं चालक की जिम्मेदारी एवं नियमों का अनुपालन है। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट के अनिवार्य उपयोग पर जोर दिया गया तथा इसके लाभ–दुर्घटना के दौरान सिर की सुरक्षा, गंभीर चोटों से बचाव, व सुरक्षित ड्राइविंग–की विस्तृत जानकारी दी गई। यातायात सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए। यह वितरण अभियान समाज में सुरक्षित यातायात के प्रति सकारात्मक संदेश देने की एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नौगावां सादात अवधभान सिंह, प्रभारी निरीक्षक थाना अमरोहा देहात एवं अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारी भी मौजूद रहे और उन्होंने भी आमजन को यातायात नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया। यातायात माह 2025 के अन्तर्गत जनपद पुलिस द्वारा सभी थाना क्षेत्रों में विभिन्न जागरुक्त कार्यक्रम, स्कूलों में पेंटिंग,निबंध प्रतियोगिता, हेलमेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं एवं यातायात नियमों को उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध प्रवर्तन की कार्यवाही की जा रही है । यातायात माह 2025 के तहत आयोजित यह कार्यक्रम जनपद में सड़क सुरक्षा को प्रोत्साहित करने, दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा जागरूक एवं जिम्मेदार चालक बनने की दिशा में अत्यंत प्रभावी कदम है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में की गई प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत बैठक

हापुड़ (सब का सपना):- जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय की अध्यक्षता में वर्ष 2025-26 हेतु अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में संचालित योजना प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत कलैक्ट्रेट सभागार, हापुड़ में बैठक का आयोजन किया गया। उक्त आयोजित बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम, नगर पालिका अध्यक्ष पिलखुवा, ब्लॉक प्रमुख धौलाना, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षाधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला युवा कल्याण अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका हापुड़, खण्ड विकास अधिकारी धौलाना, हापुड़, सिम्भावली एवं गढ़मुक्तेश्वर तथा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी उपस्थित रहे। उक्त बैठक में विभिन्न विभागों से 10 प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें 01 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 04 खेल स्टेडियम, 01 इण्टर कालिज, 01 बहुउदेशीय सार्वजनिक भवन, 01 बारात घर, 01 विवाह मण्डप एवं 01 ऑडिटारियम उक्त समस्त प्रस्तावित परियोजनाओं में कुल अनुमानित लागत धनराशि रू0 66.83 करोड (रू० छियासठ करोड़ तेरासी लाख) का व्यय किया जाना है।

बीएमबीएल जैन कॉलेज ऑफ फामेर्सी में नेशनल फामेर्सी वीक का उत्साहपूर्वक किया गया शुभारंभ

बहजोई/संभल(सब का सपना):- बीएमबीएल जैन कॉलेज ऑफ फामेर्सी में सोमवार को नेशनल फामेर्सी वीक का शुभारंभ उत्साहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के बीच तीन प्रमुख प्रतियोगिताओं फामेर्सी वीक थीम पर पोस्टर प्रतियोगिता, फामेर्सी एवं चिकित्सा मॉडल प्रतियोगिता, तथा फर्स्ट एड बॉक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं निर्णायक मंडल के सदस्यों कॉलेज निदेशक सम्भव जैन तथा डॉ. लव कुमार आर्य द्वारा दीप प्रज्वलन कर मां सरस्वती के समक्ष वंदना के साथ किया गया। निर्णायक मंडल ने सभी प्रतिभागियों के पोस्टर, चिकित्सा मॉडल और फर्स्ट एड बॉक्स का गहन निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों से व्यक्तिगत संवाद कर सुधार एवं नवाचार से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रदान किए। निदेशक सम्भव जैन ने कहा फामेर्सी वीक विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी को मजबूत करने का उत्कृष्ट माध्यम है। छात्रों की रचनात्मकता प्रशंसनीय है। वहीं डॉ. लव कुमार आर्य ने कहा, फामेर्सी केवल दवाओं का विज्ञान नहीं, बल्कि मानवीय सेवा का महत्वपूर्ण स्तंभ है।

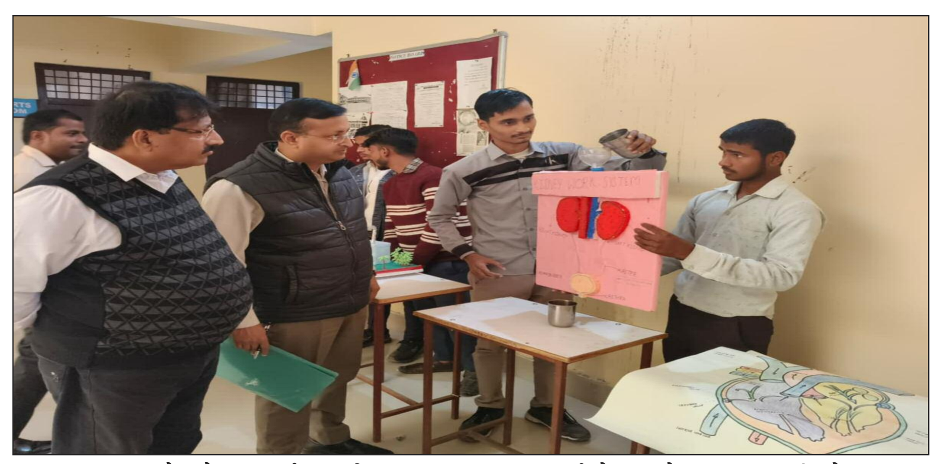

आज के आयोजनों ने विद्यार्थियों के परिश्रम और समर्पण को बखूबी प्रदर्शित किया है। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष नागेश कुमार अखिलेश कुमार कुश नंदन नेत्रपाल सिंह अंकित कुमार अक्षय राठौर डॉ.मनोज सौरभ सक्सेना सहित कई फैकल्टी सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष नागेश कुमार द्वारा किया गया।

गजरौला में भाकियू (असली) की मासिक पंचायत का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर में भारतीय किसान यूनियन असली की मासिक पंचायत का आयोजन नगर स्थित रमाबाई डिग्री कॉलेज में कराया गया। पंचायत के दौरान यूनियन के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने अहम मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान दर्जनों की संख्या में वहां किसान एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। बता दें कि सोमवार को गजरौला नगर स्थित रमाबाई डिग्री कॉलेज में भारतीय किसान यूनियन असली की मासिक पंचायत का आयोजन कराया गया। पंचायत में बच्चन सिंह जिला अध्यक्ष ,उमेश पाल सिंह प्रभारी पश्चिमी उत्तर प्रदेश, युवा जिला अध्यक्ष लोकेश एवं युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष राहुल वर्मा ने संगठन विस्तार पर चर्चा की। पंचायत में मौजूद जिला प्रवक्ता नरेश सिंह के द्वारा छुट्टा पशुओं पर लगाम लगाने की बात कही गई,इसके अलावा पंचायत में गन्ना भुगतान 14 दिन पर व एनपीके बढ़े हुए दामों पर भी निंदा की। पंचायत के दौरान वहां पर भूपेंद्र सिंह, खचेडू प्रधान, जागेश शर्मा ,जयपाल, समरपाल सिंह, गोकल सिंह ,महेंद्र सिंह ,जयवीर सिंह, हर ज्ञान सिंह, प्रदीप ,जन्म सिंह ,शकील अली ,सहित दर्जनों से अधिक किसान कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मतदेय स्थलों के सम्भाजन के अन्तर्गत बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में मतदेय स्थलों के सम्भाजन के अन्तर्गत मतदेय स्थलों की सूची को अन्तिम रूप दिये जाने हेतु जनपद के अध्यक्ष/प्रतिनिधि समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीय राजनैतिक दलों के साथ बैठक आयोजित की गई। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 39-धनौरा (अ0जा0) में वर्तमान मतदेय स्थलों की संख्या 390 जो संभाजन के पश्चात प्रस्तावित मतदाता स्थलों की संख्या 426 हो गई है जो 1200 से अधिक मतदाता वाले 36 मतदेय स्थल बढ़ाये गए हैं। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 40-नोगावाँ सादात में वर्तमान मतदेय स्थलों की संख्या 378 जो संभाजन के पश्चात प्रस्तावित मतदाता स्थलों की संख्या 417 हो गई है जो 1200 से अधिक मतदाता वाले 39 मतदेय स्थल बढ़ाये गए हैं। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 41- अमरोहा में वर्तमान मतदेय स्थलों की संख्या 330 जो संभाजन के पश्चात प्रस्तावित मतदाता स्थलों की संख्या 368 हो गई है जो 1200 से अधिक मतदाता वाले 38 मतदेय स्थल बढ़ाये गए हैं। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 42-हसनपुर में वर्तमान मतदेय स्थलों की संख्या 390 जो संभाजन के पश्चात प्रस्तावित मतदाता स्थलों की संख्या 422 हो गई है जो 1200 से अधिक मतदाता वाले 32 मतदेय स्थल बढ़ाये गए हैं। जनपद अमरोहा की समस्त विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान में मतदाता स्थलों की संख्या 1488 है जो संभाजन के पश्चात प्रस्तावित मतदेय स्थलों की संख्या 1633 हो गई है कुल 145 मतदाता स्थल बढ़ाए गए हैं। जिलाधिकारी ने समस्त प्रतिनिधि राजनीतिक दलों से कहा कि मतदाता स्थल के जो आपके सुझाव या आपत्ति हैं वह दर्ज की गई है अथवा नहीं जिस पर समस्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने कहा कि जो आपत्ति थी उनका निस्तारण उप जिलाअधिकारियों द्वारा कर लिया गया है जिसमें किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गरिमा सिंह, डिप्टी कलेक्टर उप जिलाधिकारी हसनपुर, धनौरा, अमरोहा, विधायक प्रतिनिधि भाजपा देवेंद्र खड़कवंशी, प्रतिनिधि कांग्रेस फैज आलम राईनी, प्रतिनिधि सपा ऋषिपाल सिंह यादव, प्रतिनिधि बसपा डा0 जफर महमूद अब्बासी सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में जनपद स्तरीय युवा उत्सव एवं विज्ञान मेला संपन्न, छात्र-छात्राओं ने दिखाया प्रतिभा का दम

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद स्तरीय युवा उत्सव एवं विज्ञान मेला का आयोजन युवा कल्याण विभाग संभल के तत्वाधान में बहजोई महाविद्यालय बहजोई के प्रांगण में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष संभल डॉक्टर अनामिका यादव रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम में लोक नृत्य समूह लोकगीत समूह कविता लेखन कहानी लेखन डिक्लेमेशन पेंटिंग आदि प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिसमें डिक्लेमेशन में प्रथम स्थान सिल्वर स्टोन स्कूल की नव्या ने प्राप्त किया। कहानी लेखन में प्रथम स्थान सर्वोदय इंटर कॉलेज के अमित कुमार ने प्राप्त किया। विज्ञान मेले में जीएलएम इंटर कॉलेज सिरसी की प्रदर्शनी प्रथम स्थान पर रही। चित्रकारी में सिल्वर स्टोन स्कूल की कीर्ति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लोकगीत समूह में जीजीआईसी संभल की प्रतिभागियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लोक नृत्य में बहजोई महाविद्यालय के प्रतिभागी प्रथम स्थान पर रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा महिला शक्ति एवं युवाओं को भारत की बढ़ती विश्व स्तरीय साख में अपना योगदान देना देने हेतु पूर्ण समर्थन का लक्ष्य रखा एवं महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया। सभी विधाओं में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम का संचालन जिला युवा कल्याण अधिकारी हरि प्रेम द्वारा किया गया इस अवसर पर बहजोई महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ वीरेंद्र कुमार गुप्ता एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

युवा कल्याण विभाग से क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अनुज कुमार चित्रवीर सिंह संजू रानी जगजीत सिंह नितिन कुमार एवं कनिष्ठ सहायक विभा सिंह उपस्थित रहे।

मंडी धनौरा में गेहूं का बीज ना मिलने पर किसान परेशान, राजकीय बीज भण्डार में गेहूं का स्टॉक खत्म

धनोरा/अमरोहा (सब का सपना):- गेहूं का बीज न मिलने पर किसान बेहाल परेशान है क्योंकि नगर स्थित राजकीय बीज भंडार में गेहूं का स्टॉक खत्म हो चुका है जिस कारण किसान बाजार से महंगे दामों पर गेहूं का बीज खरीदने को मजबूर हैं। बता दें कि धनोरा स्थित राजकीय कृषि बीज भंडार केंद्र पर गेहूं का स्टॉक खत्म हो गया है, जिस कारण किसान बेहद परेशान है और बाजार से महंगे दामों पर गेहूं का बीज खरीदने को मजबूर हैं ,बताया जा रहा है कि पिछले 4 दिनों से ब्लॉक क्षेत्र के केसरा, नवाबपुरा, सुजमुना, डींगरा, फिरोजपुर ,मिलक एवं ताजपुर जैसे गांव के किसान बीज के लिए केंद्र पर आए दिन चक्कर काट रहे हैं लेकिन उन्हें गेहूं का बीज नहीं मिल पा रहा है। राजकीय बीच भंडार में बीज न होने के कारण किसानों को गेहूं की फसल की बुवाई करने में देरी का सामना करना पड़ रहा है, इस मामले में किसान सुरेश कुमार ने बताया कि वह गुरुवार से बीज लेने आ रहे हैं लेकिन उन्हें बीज नहीं मिल रहा है जिससे उन्हें गेहूं की फसल की बुवाई की चिंता हो रही है उनका कहना है कि यदि बीज समय पर नहीं मिला तो गेहूं की बुवाई लेट हो जाएगी ।इस संबंध में एडीओ एग्रीकल्चर चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि शासन से 6.20 क्विंटल बीज उपलब्ध हुआ था जिसका वितरण कर दिया गया है ।गुरुवार को भी स्टोर पर बीज उपलब्ध नहीं था। उन्होंने बताया कि बीच की मांग भेजी गई है और बीज प्राप्त होते ही वितरण शुरू कर दिया जाएगा।

स्थानीय पुलिस व यातायात पुलिस के द्वारा छात्र-छात्राओं को किया जा रहा जागरूक

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल स्थानीय पुलिस व यातायात पुलिस टीम के द्वारा कृष्ण कुमार के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक तिवारी के सघन पर्यवेक्षण में यातायात माह के अंतर्गत जनपद सम्भल में यातायात पुलिस द्वारा व्यापक जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य आमजन, विशेषकर युवाओं एवं छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के महत्व से जोड़ना और जागरूक नागरिक के रूप में उनके दायित्वों को समझाना है। इसी क्रम में जनपद सम्भल के विभिन्न थाना क्षेत्रों में थाना स्थानीय पुलिस व यातायात पुलिस टीम के द्वारा थाना धनारी के एस पब्लिक स्कूल, थाना सम्भल के अलकदीर इंटर कालेज ग्राम मंडी किशन दास सराय, थाना बनियाठेर क्षेत्र के रानी दर्गी कन्या इंटर कालेज कस्बा नरौली, थाना नखासा के चंदावली इंटरमीडिएट कालेज ग्राम चंदावली, थाना बहजोई क्षेत्र के सिल्वर स्टोन इंटर कालेज, बहजोई में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों, साइबर अपराध के प्रति छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया ।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों के सम्भाजन उपरांत प्रकाशित आलेख्य सूची, संसोधन प्रस्तावों, एवं प्राप्त शिकायतों एवं सुझावों के संबंध में विचार विमर्श हेतु मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत भारत निर्वाचन आयोग के अद्यतन निर्देशानुसार मतदाताओं को बेहतर अनुभव प्रदान करने एवं सुगमता बढ़ाने हेतु एक मतदेय स्थल पर अधिकतम 1200 मतदाताओं की सीमा निर्धारित की गई है । इस संबंध में निर्देशित किया गया है कि जिन मतदेय स्थलों पर मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक है उसी पोलिंग स्टेशन लोकेशन पर अन्य मतदेय स्थल भी है और उन मतदेय स्थलों पर मतदाताओं की संख्या अपेक्षाकृत कम है तो इस संभावना और विकल्प पर भी विचार कर लिया जाए की नये मतदेय स्थलों का सृजन किए बिना भौगोलिक रूप से क्षेत्र की सुसंबद्धता बनाए रखते हुए विद्यमान बूथों पर ही मतदाताओं को पुनर्समायोजित कर दिया जाए । इसके अतिरिक्त 1200 से अधिक मतदाताओं वाले अन्य मतदेय स्थलों पर उसी मतदान केंद्र/क्षेत्र में नया मतदेय स्थल बनाया जाना है। जिन मतदेय स्थलों के भवन पुराने और जर्जर नहीं है तथा जहां मतदाताओं को 2 किलोमीटर से अधिक दूरी चलने की आवश्यकता नहीं है, ऐसे मतदेय स्थलों की स्थिति में परिवर्तन नहीं किया जाए। यदि कोई मतदेय स्थल यदि अपने मतदान क्षेत्र से बाहर स्थित है और अब मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत उपयुक्त भवन ने उपलब्ध होने के कारण मतदान क्षेत्र से बाहर स्थित है और अब मतदान क्षेत्र के अंतर्गत उपयुक्त भवन उपलब्ध हो गया है तो ऐसे मतदेय स्थल को अपने मतदान क्षेत्र के अंदर स्थित भवन में शिफ्ट कर दिया जाए।

अपर जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में 1862 मतदेय स्थल हो गए हैं तथा सात केन्द्रों जिनमें दो चंदौसी तथा दो सम्भल तथा तीन गुन्नौर विधानसभा क्षेत्र में परिवर्तन हुआ है। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि अगर कोई बीएलओ क्षेत्र में नहीं जा रहा है तो उसके विषय में बताएं ताकि उसके विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी मतदाता का गलत तरीके से नाम नहीं हटाया जाएगा और न ही जोड़ा जाएगा यह सुनिश्चित किया जाए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य 4 दिसंबर तक चलाया जाएगा उसके पश्चात 9 दिसंबर को निर्वाचन नामावलियों का आलेख्य का प्रकाशन किया जाएगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा,उप जिलाधिकारी सम्भल रामानुज,डिप्टी कलक्टर निधि पटेल एवं समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी, मंत्री गुलाब देवी के प्रतिनिधि चन्द्रसैन दिवाकर,भाजपा के जिला महामंत्री कमल कुमार कमल एवं जिला महासचिव समाजवादी पार्टी कृष्ण मुरारी सांख्यधर, बीएसपी से विधानसभा अध्यक्ष चंदौसी सुभाष खागी आदि उपस्थित रहे।

अतिथियों ने किया छात्रों के भविष्य व शिक्षा पर मार्गदर्शन, छात्र-छात्राओं को मिली भविष्य की राह

जुनावई/संभल(सब का सपना):- विकासखंड जुनावई के नदरौली स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज के प्रांगण में करियर गाइडेंस मेले का आयोजन किया गया। जहां छात्र-छात्राओं को कॅरिअर संबंधी जानकारी दी गई। मेले में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को भविष्य के करियर विकल्पों, प्रवेश परीक्षाओं, छात्रवृत्ति योजनाओं और रोजगार के अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ जनता इंटर कॉलेज जुनावई के प्रधानाचार्य मधु कुमार आर्य ने सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। जहां कार्यक्रम का संचालन कालेज शिक्षक गौरव कुमार शर्मा द्वारा किया गया। मेले में उपस्थित अध्यापकों और अतिथियों ने छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य पर चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा पर विशेष ध्यान देने और अपने कौशल को निखारने के लिए प्रोत्साहित किया। वक्ताओं ने कहा कि अच्छी पढ़ाई के माध्यम से ही छात्र एक बेहतर करियर बना सकते हैं, जिससे समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता आएगी और समाज आगे बढ़ेगा। प्रत्येक छात्र को संबंधित क्षेत्र में रुचि के साथ-साथ अपने लक्ष्य के प्रति संकल्पित रहना चाहिए एवं मार्ग में आने वाली बाधाओं से निराश न होते हुए अपने लक्ष्य के प्रति निरंतर अग्रसर रहना चाहिए। जहां विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। विशेषज्ञ अतिथियों ने बच्चों के तैयार किए गए चार्ट का निरीक्षण किया। जहां कालेज प्रधानाचार्य नाजिया नुमान ने अतिथियों का स्मृति चिह्न एवं पुरस्कार प्रदान कर आगमन हेतु आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित उपस्थित अभिभावकों ने भी प्रतिभाग किया और अपने अनुभवों को छात्रों से साझा किया साथ ही बताया कि इस मेले ने छात्राओं के बीच उत्साह और ज्ञान का संचार किया है, जिससे उन्हें अपने सपनों को पूरा करने की प्रेरणा मिली। विद्यालय प्रशासन ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से जारी रखने का आश्वासन दिया ताकि छात्राओं को निरंतर मार्गदर्शन मिलता रहे। युग निर्माण विद्यापीठ इंटर कॉलेज मणिकावली के प्रधानाचार्य राजाराम यादव ने करियर गाइडेंस के तहत छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें अपने अच्छे भविष्य के लिए पढ़ाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने अध्यापकों द्वारा बताए गए कार्यों का पालन करने और नियमित रूप से विद्यालय आने की सलाह दी, ताकि उन्हें शिक्षकों से हर तरह की जानकारी मिलती रहे। उन्होंने शिक्षा के सही समय-प्रबंधन पर भी जोर दिया, जिससे छात्र एक अच्छा मुकाम हासिल कर सकें। कार्यक्रम में नदरौली के प्रधान खान सहाय यादव, डॉ. चंद्रकेश, डॉ. राजीव किशोर, महिपाल सिंह, रंजीत गोस्वामी, जीव विज्ञान प्रवक्ता नेहा राजभर, रूपेंद्र सिंह, सहायक अध्यापक नेहा कुमारी, डॉ. सुनीता रानी, अनिल यादव, आकाश यादव, नरेश यादव एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं व उनके अभिभावक गण आदि उपस्थित रहे।

मंडी धनौरा में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर भव्य "एकता यात्रा" का आयोजन

भाजपा विधायक राजीव तरारा व विधान परिषद सद.सत्यपाल सैनी ने किया यात्रा का शुभारंभ

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर भाजपा कार्यकताओं एवं पदाधिकारी ने एक भव्य "एकता यात्रा" का आयोजन किया। नगर में निकाली गई इस भव्य यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और विद्यार्थी शामिल रहे। यात्रा का शुभारंभ भाजपा विधायक राजीव तरारा एवं विधान परिषद सदस्य सत्यपाल सैनी व भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी ने संयुक्त रूप से किया। बता दें कि सोमवार को आयोजित इस यात्रा को नगर क्षेत्र स्थित पत्थर कुटी गांव से शुरू कराया गया ,इसके बाद यात्रा को भ्रमण कराते हुए गोलघर चौराहा ,नौगांवा बस अड्डा एवं कंचन बाजार ले जाया गया। जहां अग्रवाल समाज की महिलाओं ने यात्रा में शामिल लोगों का फूल बरसाते हुए स्वागत किया। इसके अलावा हरदेव बाजार में भी व्यापारियों ने यात्रा पर पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया। विधान परिषद सदस्य सत्यपाल सैनी इस यात्रा के मुख्य अतिथि रहे। यात्रा को पुराने स्टेट बैंक तिहारे से होते हुए शेरपुर चुंगी पर लाकर समाप्त कराया गया। यात्रा संयोजक विधायक राजीव तरारा ने इस अवसर पर कहा कि सरदार पटेल ने देश को अखंड भारत बनाने के लिए बहुत से कार्य किये जो हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहेंगे। इसके अलावा यात्रा में भाजपा जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी सहित भाजपा के कई नेता शामिल रहे ।यात्रा में एनसीसी कैडेट्स और विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी भी मौजूद रहे। मंडी धनौरा थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार के नेतृत्व में पर्याप्त पुलिस बल सुरक्षा व्यवस्था के लिए यात्रा के दौरान तैनात किया गया। इस दौरान शहर के बाजारों में कुछ समय के लिए जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो गई लेकिन पुलिस प्रशासन के सहयोग और व्यवस्था के चलते यात्रा को सफल बनाया गया।

संकट मोचन हनुमान मंदिर का चतुर्थ वर्षगांठ समारोह धूमधाम से मनाया गया

बहजोई/संभल(सब का सपना):- रेलवे रोड स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर ने अपना चतुर्थ स्थापना दिवस बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम की मुख्य विशेषता स्वामी भूमानंद ट्रस्ट, चंदौसी द्वारा आयोजित भव्य सुंदरकांड पाठ रहा। सुंदरकांड के मधुर पाठ से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और श्रद्धालु झूम-झूम कर जयकारे लगाते रहे। महिला मंडल की ओर से शिव-पार्वती विवाह का मनमोहक आयोजन भी किया गया, जिसमें भगवान शिव और माता पार्वती की झांकी सजाई गई। इस धार्मिक नाट्य प्रस्तुति ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम की सफलता में मंदिर समिति के संयोजक एवं सदस्यों का विशेष योगदान रहा। मुख्य रूप से विवेक बादशाह, विकास बजरंगी, रवि शर्मा, राम मोहन, सतीश कुमार, चेतन कुमार, शिल्पी गुप्ता, चायना और विनीता सहित समस्त समिति सदस्यों ने दिन-रात मेहनत कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। मंदिर समिति ने सभी श्रद्धालुओं, दानदाताओं और सहयोग करने वाले लोगों का आभार व्यक्त किया है तथा आगामी वर्षों में भी ऐसे धार्मिक आयोजन जारी रखने का संकल्प लिया है।

सरस्वती विद्या मंदिर पवांसा में जौहर श्रद्धांजलि समारोह का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिमी उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित राजकीय मान्यता प्राप्त जौहर स्मारक जनता कृषक सरस्वती विद्या मंदिर पवांसा में जौहर श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया। जिसमें जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। सर्वप्रथम जौहर वीरांगना ट्रस्ट के सदस्यों के द्वारा जिलाधिकारी का पटका एवं माला पहनकर स्वागत किया गया साथ ही जौहर चित्र को जिलाधिकारी को भेंट किया गया। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर जौहर चित्र एवं माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। सर्वप्रथम जिलाधिकारी ने नवनियुक्त जौहर वीरांगना ट्रस्ट के अध्यक्ष को बधाई दी एवं जिलाधिकारी ने महारानी पद्मावती तथा महारानी करुणावती के जौहर के विषय में विस्तार पूर्वक बताया उन्होंने कहा कि आक्रांताओं के कारण अपनी लाज एवं सम्मान को बचाने के लिए महिलाओं ने जौहर किया जिलाधिकारी ने जौहर के विषय में भी विस्तार से जानकारी दी और जिलाधिकारी ने कहा कि लोगों को देश में प्रेम के साथ रहना चाहिए मिशन शक्ति को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि महिलाओं को सशक्त एवं महिलाओं को सम्मान दिलाने के लिए सरकार के द्वारा मिशन शक्ति एक योजना चलाई जा रही है जिसको लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन की थीम के अन्तर्गत कार्य किया जा रहा है एवं किसी भी मनचले के द्वारा महिलाओं को परेशान किए जाने की रोकथाम के लिए ऑपरेशन एंटी रोमियो के अंतर्गत कार्यवाही की जाती हैं ।जिससे महिला शक्ति को एक नयी दिशा मिलेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी लोगों को भारतीय संस्कृति के अनुसार रहना चाहिए और भारतीय संस्कृति के प्रति चिंतन करना चाहिए जिलाधिकारी ने कहा कि इस विद्यालय में जौहर केंद्र की स्थापना की जाए जिसको लेकर जिलाधिकारी के द्वारा स्कूल परिसर में जौहर स्कूल की भूमि पूजन का कार्यक्रम किया गया उन्होंने कहा कि जौहर के विषय में यहां पर प्रत्येक दशा में लोगों को बताया जाए एवं जागरूक किया जाए जिलाधिकारी ने समस्त उपस्थित लोगों से कहा कि विकसित भारत एवं विकसित उत्तर प्रदेश के लिए अपना अपना सुझाव जरूर दें। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने मुख्य जौहर स्थल स्थित मंदिर के दर्शन किए और उन्होंने एक अच्छा स्मारक बनाने के लिए ट्रस्ट के सदस्यों को जागरूक किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के सदस्य एवं संबंधित महानुभाव सहित समस्त जनमानस के लोग उपस्थित रहे।

बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे क्लीनिक पर स्वास्थ विभाग की बड़ी कार्यवाही

कुढ़फतेहगढ़/संभल(सब का सपना):- तहसील चन्दौसी के थाना कुढ़फतेहगढ़ क्षेत्र के गांव छाबड़ा में सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सड़क किनारे चल रहे एक अपंजीकृत निजी क्लीनिक को सील कर दिया। क्लीनिक का नाम त्रिवेणी हेल्थ केयर था, जिसे बिना किसी वैध रजिस्ट्रेशन और बिना योग्य चिकित्सक के संचालित किया जा रहा था। डिप्टी सीएमओ डॉ. विश्वास अग्रवाल के नेतृत्व में गठित टीम ने अचानक छापेमारी की। जांच के दौरान क्लीनिक संचालिका कोई भी चिकित्सा संबंधी वैध दस्तावेज (रजिस्ट्रेशन, डिग्री, लाइसेंस आदि) प्रस्तुत नहीं कर सकीं। क्लीनिक में मरीजों का इलाज किया जा रहा था और दवाइयां भी दी जा रही थीं, जो गैर-कानूनी और मरीजों की जान जोखिम में डालने वाला था। अपंजीकृत पाए जाने पर तुरंत प्रभाव से क्लीनिक को सील कर दिया गया तथा संचालिका के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। डिप्टी सीएमओ डॉ. विश्वास अग्रवाल ने बताया कि जिले में समय-समय पर ऐसी झोलाछाप और अवैध क्लीनिकों के खिलाफ अभियान चलाया जाता रहेगा ताकि आम जनता को धोखाधड़ी और गलत इलाज से बचाया जा सके। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई की सराहना की है।

मीट की दुकान नियम विरुद्ध ना चले, नियम विरुद्ध पाये जाने पर होगी कठोर कार्यवाही:- जिलाधिकारी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा जनपद में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत मीट प्रतिष्ठान संचालित रहें इसको लेकर एक चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विकासखण्ड असमोली के ग्राम मदाला फतेहपुर स्थित मीट प्रतिष्ठान का खाद्य सुरक्षा अधिकारी रामजीत एवं उनकी टीम द्वारा निरीक्षण किया गया जिसके सत्यापन के दृष्टिगत यह तथ्य संज्ञान में आया कि ग्राम मदाला फतेहपुर स्थित शाने आलम मीट शॉप (शाने आलम पुत्र मो. असलम) एवं नाजिम मीट शॉप (नाजिम पुत्र भूरे) उपरोक्त दोनों संचालकों पर उत्तर प्रदेश गौवध निवारण अधिनियम के अन्तर्गत मुकदमा पंजीकृत है। जिसके दृष्टिगत इन दोनों शाने आलम मीट शॉप एवं नाजिम मीट शॉप का मीट शॉप का पंजीकरण तत्काल निलंबित कर मीट शॉप को बंद कराया गया साथ ही निर्देशित किया गया कि निलंबन अवधि में खाद्य कारोबार को पूर्ण रूप से बंद रखते हुए 14 दिवस में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें अन्यथा पंजीकरण को रद्द/ निरस्त कर दिया जाएगा। साथ ही ग्राम मदला फतेहपुर में दो अन्य मीट शॉप को एवं ग्राम शहबाजपुर कलां में 6 मीट शॉप को साफ सफाई संतोषजनक न पाए जाने के कारण एवं नियमों का उल्लंघन करने को लेकर नोटिस जारी किया गया। सहायक आयुक्त खाद्य ग्रेड 2 मानवेंद्र सिंह ने बताया कि जनपद में 678 रिटेल मीट की दुकानें हैं सभी के द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 व नियमावली 2011 के प्रावधानों का अनुपालन करना अनिवार्य है अगर कोई भी इन नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया गया तो उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई संज्ञान में लाई जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में कोई भी मीट की दुकान नियम विरुद्ध न चले, नियम विरुद्ध संचालन पाये जाने पर मीट दुकानदार के विरुद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

शैक्षणिक भ्रमण: किताबों की दुनियां से निकलकर ज्ञान गंगा की ओर

संवाददाता
कुशीनगर। उच्च प्राथमिक विद्यालय भठही राजा क्षेत्र -हाटा के छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण के वाहन को भाजपा नेता पवन कुमार दुबे द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भ्रमण में लवकुश की शिक्षा दीक्षा का केंद्र, महर्षि बाल्मीकि आश्रम, धरती पुत्री माँ सीता का अंतिम पवित्र स्थल ,त्रिवेणी बांध (भारत, नेपाल) नदी, पहाड़, झरने, जंगल, जानवर, नदी की चेपुआ मछली, केले, गन्ने की खेती, सुगर फैक्ट्री का दर्शन सभी छात्र छात्राओं ने किया।शैक्षणिक भ्रमण हाटा बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में सफल होने पर राजीव नयन द्विवेदी प्रधानाध्यापक द्वारा प्रदान 40 हजार के चेक से राष्ट्रीय आय आधारित परीक्षा में सफल और प्रतियोगी छात्रों के साथ कक्षा में 100% शिक्षण कक्ष में प्रत्येक दिन उपस्थित कुल 70 छात्र छात्राओं को प्रतिभाग का अवसर मिला। इस अवसर पर पी जैन प्रबन्ध निदेशक न्यू वेज पब्लिक स्कूल तरकुलवा देवरिया, प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक प्रवीण राव, अमित कुमार सिंह, तेजप्रताप सिंह, वीरेन्द्र कुमार गुप्त, राकेश कुमार पासवान, रसोइया शमशीरा देवी, सन्नी, कृष्ण मोहन, राहुल, चिंटू, विष्णु, अभिषेक उपस्थित रहे ।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया गया

संवाददाता
कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर भाजपाइयों ने महापुरुषों की प्रतिमा स्थल व स्मारकों पर स्वच्छता अभियान, दीपोत्सव और भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पांजलि आयोजित किया।
कसया राम - जानकी मठ में कुशीनगर मण्डल द्वारा पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पार्टी पदाधिकारी व कार्यकताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भगवान बिरसा मुंडा को याद किया। जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल एक नाम नहीं बल्कि एक ऐसा इतिहास हैं। जिन्होंने आदिवासी समाज ही नहीं बल्कि पूरे भारत के स्वतंत्रता संग्राम में स्वाभिमान, स्वराज और स्वदेशी की चेतना जगाई। कहा कि मां भारती के इस अमर सपूत के 150वें जन्म वर्ष को भाजपा पूरे सम्मान और गौरव के साथ मना रही है, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके संघर्ष, बलिदान और विचारों से प्रेरणा ले सकें। इस अवसर पर कुशीनगर विधायक प्रतिनिधि रुद्र प्रकाश सिंह, मण्डल अध्यक्ष आद्या प्रसाद पाण्डे, अमरजीत कुशवाहा, राजेश राव, इन्द्र प्रकाश चौबे, बच्चा सिंह,पूर्व मण्डल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव, डॉ छेदी शर्मा , मण्डल उपाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल,आई टी विभाग विधानसभा संयोजक रत्नेश श्रीवास्तव, विनोद गिरि, आदित्य मिश्र, संजीव दूबे आदि उपस्थित थे।

पग-पग पर सीख, कदम-कदम पर ज्ञान, विस्मय और मुस्कान

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। उच्च प्राथमिक विद्यालय भठही राजा (हाटा-कुशीनगर) के विद्यार्थियों ने शैक्षिक भ्रमण की प्रेरक ज्ञान-यात्रा की। छात्र - छात्राओं के चेहरे पर विस्मय और मुस्कान खिल उठी। राजीव नयन द्विवेदी प्रधानाध्यापक ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि आश्रम, माँ सीता का पवित्र स्थल, त्रिवेणी बांध, प्राकृतिक सौंदर्य, कृषि गतिविधियों और शुगर फैक्ट्री का अवलोकन कर बच्चों ने सीख के नए आयाम प्राप्त किए। हाटा बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में तथा तहसील, जिला और मंडल स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन पर 70 चयनित विद्यार्थियों ने इस अविस्मरणीय यात्रा में सहभागिता की।

नहरों के टेलगुल की खुदाई नहीं हुई तो होगा आंदेलन-बलराम राव

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। विकास खंड रामकोला क्षेत्र अंतर्गत आने वाली तीन नहरें परसौना, चौरहीं और टेकूअटार माइनर वर्षों से उपेक्षा की दंश का शिकार हैं। हजारों किसानों की सिंचाई व्यवस्था इन तीनों माइनरों पर निर्भर है लेकिन इनके टेलगुल की सिल्ट सफाई लंबे समय से नहीं हुई है। सोमवार को किसानों के समूह ने जिलापंचायत सदस्य के नेतृत्व में एक्सियन कुशीनगर को ज्ञापन सौंप कर तत्काल खुदाई का मांग किया है।परसौना माइनर का टेलगल 1 किमी 800 मीटर, चौरहीं माइनर का 500 मीटर और टेकूअटार माइनर का टेलगल 900 मीटर लम्बा है, मगर इनकी सिल्ट सफाई अब तक नहीं हो सकी। परिणामस्वरूप टेलगल पूरी तरह भर चुके हैं और कई जगह यह किसानों के खेतों में समा गया है। स्थिति यह है कि नहरों का अवशेष पानी अब मेन नाले हिरडॉवती में डिस्चार्ज नहीं हो पाता। हर वर्ष सिंचाई के समय नहरों का पानी ओवरफ्लो होकर हजारों एकड़ फसल बर्बाद कर देता है। इससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है, जबकि विभागीय अधिकारियों के पास कोई ठोस समाधान भी नहीं बचता। सूत्रों के अनुसार इन टेलगल की सिल्ट सफाई की जिम्मेदारी वर्षों से स्थानीय ग्राम पंचायतों/क्षेत्र पंचायतों को मनरेगा के माध्यम से दी गई थी, जो केवल औपचारिकता बनकर रह गई। इसी लापरवाही के कारण टेलगल आज लगभग समाप्त हो चुके हैं। सोमवार को किसानों ने जिला पंचायत सदस्य बलराम राव के नेतृत्व में मांग की कि तीनों टेलल की सफाई नहरों की तरह मशीन से कराई जाए, ताकि अवशेष पानी सुचारू रूप से नाले में डिस्चार्ज हो सके और सिंचाई व्यवस्था बहाल हो। किसानों का कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्र के किसान रविन्द्र गौतम, अतिकूर रहमान, राजकुमार, नईमुल्लाह, नरेश, बबलू राव, नरेश, राहुल गौतम, दीपू पटेल, रामाश्रय, संतोष मद्धेशिया, पिंटू यादव बच्चेलाल आदि किसान उपस्थित रहे। मौजूद किसानों ने कहा है कि एक सप्ताह में कार्य शुरू नहीं हुआ तो किसान आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

अस्मिता एथलेटिक लीग बेटियों को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का मजबूत साधन बनेगी:पूर्व आरटीओ अजय त्रिपाठी

जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम कुशीनगर में अस्मिता खेलो इंडिया महिला एथलेटिक्स लीग का शुभारंभ

संवाददाता
कुशीनगर। सोमवार को पडरौना स्थित जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में अस्मिता खेलों इंडिया खेल महिला एथलेटिक्स लीग का शुभारम्भ हरी झंडी दिखाकर करते हुए उत्तर प्रदेश हाकी संघ के उपाध्यक्ष व पूर्व आरटीओ अजय त्रिपाठी ने कहा कि खेल बेटियों को आत्मविश्वास, अनुशासन और आगे बढ़ने की ऊर्जा देता है। अस्मिता लीग जैसी खेल हमारी प्रतिभाशाली बेटियों को उनके सपनों तक पहुंचाने का सशक्त मंच साबित होंगी। कुशीनगर जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव शुभम त्रिपाठी ने बताया कि यह आयोजन दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. ललित भनोट, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया तथा केंद्रीय खेल एवं युवा मंत्रालय के संयुक्त सहयोग से पूरे देश में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिला खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ाना और कम उम्र में ही प्रतिभाओं को पहचानना इस लीग का मुख्य उद्देश्य है। कुशीनगर में यह आयोजन पहली बार हो रहा है, जिससे जिले की बेटियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का सुनहरा अवसर मिलेगा।अंडर-16 वर्ग की प्रतियोगिता 600 मीटर दौड़ में प्रथम गीता यादव, द्वितीय दीपीका,तृतीय शालिनी गुप्ता रहीं। भाला क्षेपण में प्रथम काजल कुमारी, द्वितीय गरिमा सिंह, तृतीय अस्मिता यादव रही।गोला क्षेपण में प्रथम सुनंदा यादव, द्वितीय रुची सिंह तथा तृतीय लवली सिंह रही। लम्बी कूद में प्रथम विंध्यवासिनी, द्वितीय रानी यादव तथा तृतीय खुशी रावत रहीं।हाई जम्प में रीतू यादव अव्वल रहीं।अंडर 14 में600 मीटर लम्बी कूद में प्रथम हर्षिता, द्वितीय स्थान संजीदा खातून तृतीय सत्या गिरी रहीं।ग्रुप बी में प्रथम प्रीति यादव, द्वितीय सुगंधा कुमारी तथा तृतीय आलिया फिरोज रहीं। खिलाड़ियों ने विभिन्न एथलेटिक्स स्पधाओं में प्रतिभाग किया। सभी प्रतिभागियों को आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाणपत्र के साथ उपस्थित होना अनिवार्य था।दौड़ स्पधाएँ जेपी रावत, जवाहर प्रसाद गौड़, अनिल मिश्रा, सुनील प्रजापति, मदन यादव, दुर्गावती, पंकज पटेल, संदीप वर्मा, संदीप पासवान एवं अम्बरीश यादव की देखरेख में सम्पन्न हुईं। भाला क्षेपण इंद्रजीत साहनी, पंकज सैनी, चंदन यादव और विजय की तकनीकी निगरानी में आयोजित हुआ।इस दौरान जिला क्रीड़ा अधिकारी रबि निषाद, एआरटीओ मो. अजीम, जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष आनन्द मणि त्रिपाठी, डा.रामानुज पांडेय, टी.एन.राय, शिवशंकर तिवारी, मजिबुल्लाह राही, गणेश त्रिपाठी, गुड्डू सिंह, पंकज ओझा, पिन्टू सिंह, गुड्डू चौहान, कविंद्र सिंह, चंदन दूबे, शफीकुरहमान ऊर्फ दरोगा मौजूद रहे।

एनसीसी कैम्प में कैडेट्स ने लिए बाधा दौड़ और सुरक्षा उपायों का प्रशिक्षण

संवाददाता
कुशीनगर। उदित नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में चल रहे एनसीसी प्रशिक्षण शिविर संख्या 168 के छठवें दिन कैडेट्स के लिए बाधा दौड़ का प्रभावी और उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया।प्रशिक्षण का उद्देश्य कैडेट्स में शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता और टीमवर्क की भावना को विकसित करना था। प्रशिक्षण के दौरान कैडेट्स ने बैलेन्स बीम, जंपिंग पिट,रन सहित विभिन्न बाधाओं को पार किया। प्रशिक्षकों ने कैडेट्स को प्रत्येक गतिविधि की तकनीक और सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी दी। कैम्प कमांडेंट कर्नल हरिश चंद के अनुसार इस प्रकार का प्रशिक्षण युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ- साथ उन्हें किसी भी चुनौतीपूर्ण स्थिति से निपटने के लिए तैयार करता है। कैडेट्स ने भी बाधा दौड़ प्रशिक्षण को रोमांचक और उपयोगी बताया। इस दौरान डिप्टी कमांडेंट कैप्टन वीपी मिश्रा, रिसालदार मेजर हरजीत सिंह, एएनओ लेफ्टिनेंट नरेंद्र त्रिपाठी, थर्ड ऑफिसर एक पांडे, सूबेदार त्रिलोक सिंह, सूबेदार संजय कुमार, सूबेदार संतोष कुमार, हवलदार कुलदीप सिंह, हवलदार करनप्रीत सिंह हवलदार सर्वजीत सिंह हवलदार गोविंद सिंह, हवलदार रमेश लामा हवलदार मन बहादुर थापा, हवलदार निर्मल सरु, हवलदार थिनिल्स दोरजे अन्य पी आई स्टाफ एवम् बटालियन के अन्य सिविल स्टाफ लल्लन सिंह, विनोद तिवारी, मु अशरफ, राजेश गौतम, मौजूद रहे।

पटेल जयंती पर आज निकलेगी पदयात्रा, यात्रा की सफलता का विधायक पीएन पाठक ने किया आह्वान

संवाददाता
कसया, कुशीनगर।लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा निकाली जा रही विधानसभावार पदयात्रा के क्रम में मंगलवार दिनांक 18 नवंबर को कुशीनगर विधानसभा की एकता यात्रा निकाली जाएगी।जिसकी सफलता के लिए सोमवार को कुशीनगर विधायक पीएन पाठक के जनसंपर्क कार्यालय राम-जानकी मठ कसया में तैयारी बैठक हुई । बैठक में पदयात्रा की तैयारियों, मार्ग सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था, जलपान एवं भोजन व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई।कुशीनगर विधायक श्री पाठक ने कहा कि सरदार पटेल की दूरदृष्टि और मजबूत नेतृत्व ने भारत को एक सशक्त संघीय ढांचा प्रदान किया। उनकी जयंती के उपलक्ष्य में निकाली जाने वाली यह पदयात्रा राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का संदेश देने का प्रतीक है। इस पदयात्रा का उद्देश्य समाज में एकता का संदेश देना है। विधायक पीएन पाठक ने सभी कार्यकताओं से आयोजन को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। यात्रा संयोजक व जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द ने बताया कि एकता यात्रा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यात्रा का शुभारंभ व प्रस्तावना सभा सुबह 9 बजे मुंडेरा रतनपट्टी मठ से होगा उसके बाद यात्रा 11 बजे बुद्ध इण्टर मीडिएट कालेज कुशीनगर अपने प्रथम पड़ाव पर पहुंचेगी जहां सूक्ष्म जलपान के बाद दोपहर 12 बजे द्वितीय पड़ाव होटल ॐ रेजीडेंसी पहुंचेगी। यहां भी सूक्ष्म जलपान के उपरान्त अपराह्न 01 बजे कसया बस स्टेशन पहुंचेगी जहां जनसभा के साथ एकता यात्रा का समापन होगा। जनसभा प्रमुख व नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल ने कहा कि सरदार पटेल इतिहास के महानायक होने के साथ ही आज भी देश की राष्ट्रीय चेतना के केंद्र हैं। अगर सरदार पटेल न होते तो आज भारत का नक्शा कुछ और होता। सरदार पटेल जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित एकता यात्रा और जनसभा ऐतिहासिक होगी।इस अवसर पर पूर्व विधायक पवन केडिया, डॉ सीमा गुप्ता, राधेश्याम गोंड, अमित पाण्डेय, कृष्ण कुमार जायसवाल, उमेश उपाध्याय, शुभम दीक्षित, डॉ छेदी शर्मा, अनिल प्रताप राव, शैलेन्द्र सिंह, ओमप्रकाश जायसवाल, आद्या पाण्डेय, अमरजीत कुशवाहा, इन्द्र प्रकाश चौबे, पुण्य प्रकाश तिवारी, बलिस्टर भारती, दिनेश जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

कल्याणं करोति नेत्र संस्थान का विशाल नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर सम्पन्न हुआ

संवाददाता
मथुरा। श्रीनाथ जी धर्मार्थ सेवा सोसाइटी, फरीदाबाद के अध्यक्ष जगदीश लाल भाटिया ने कहा कि गोवर्धन में संचालित यह नेत्र चिकित्सा शिविर केवल उपचार का माध्यम नहीं, बल्कि उन असंख्य नेत्र रोगियों के लिए नई उम्मीद है, जो आर्थिक अभाव के कारण उचित स्वास्थ्य सेवाओं तक नहीं पहुँच पाते। कल्याणं करोति नेत्र संस्थान द्वारा किया जा रहा यह सतत प्रयास मानवता और सामाजिक दायित्व का सच्चा प्रतीक है।उन्होंने आगे कहा कि हमारी सोसाइटी का उद्देश्य सदैव उन प्रयासों का समर्थन करना है जो सीधे समाज के हित में हों। बड़ी संख्या में मरीजों का शिविर में पहुँचना यह दशार्ता है कि लोगों में विश्वास और आवश्यकता दोनों अत्यधिक हैं। भविष्य में भी हम कल्याणं करोति के साथ मिलकर ऐसे शिविरों में निरंतर सहयोग करते रहेंगे। कल्याणं करोति महासचिव सुनील कुमार शर्मा का वक्तव्य एवं शिविर समीक्षा करते हुए कहा कि संस्थान वर्षों से नेत्र उपचार एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। हमारा लक्ष्य सदैव यह रहा है कि जरूरतमंद और कमजोर वर्ग तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ नि:शुल्क और सुलभ रूप से पहुँचें। उन्होंने शिविर की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए कहा कि अब तक 874 नेत्र रोगियों का पंजीकरण एवं परीक्षण किया जा चुका है। इनमें से 510 मरीज ऑपरेशन हेतु चयनित किए गए हैं। 340 मरीजों के ऑपरेशन सफलतापूर्वक सम्पन्न हो चुके हैं तथा शेष मरीजों के ऑपरेशन निरंतर जारी हैं। उन्होंने बताया कि मोतियाबिंद, परवाल, ग्लूकोमा आदि नेत्र रोगों की जाँच, उपचार, नि:शुल्क ऑपरेशन एवं नि:शुल्क लेंस प्रत्यारोपण की सेवाएँ विशेषज्ञ चिकित्सकों की अनुभवी टीम द्वारा अत्यंत व्यवस्थित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। भर्ती मरीजों को भोजन, दवाइयाँ, बिस्तर एवं देखभाल की सभी सुविधाएँ पूर्णतः नि:शुल्क प्रदान की जा रही हैं।समापन अवसर पर सभी रोगियों को चश्मे, आवश्यक दवाइयाँ एवं फल वितरित किए जाएँगे।सहयोगी एवं आयोजन समिति के सदस्य प्यारे लाल पाण्डेय (सचिव), गुलशन लाल भाटिया (कोषाध्यक्ष), सुभाष भाटिया, मदन लाल भाटिया, पंकज पारिख, रमेश शर्मा (भोलू), गुरूदीप, सुरेश यादव, एम.पी. शेखावत (प्रबन्धक) सहित अनेक समाजसेवी एवं स्थानीय नागरिक सक्रिय रूप से सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

पुलिस ने जुआ खेल रहे 6 जुआरियों को 17 हजार रुपये के साथ किया गिरफ्तार

संवाददाता
हमीरपुर (सैय्यद बासित अखतर)
अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत बिवांर पुलिस ने क्षेत्र के ग्राम रोहारी से हार जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते 6 जुआरियों को सत्रा हजार चार सौ पचास रुपये और ताश के बावन पत्तों के साथ गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। बिंवार पुलिस ने बताया कि पकड़े गये जुआरियों मेंरामबाबू पुत्र स्व० रामफल कोरी, महेश पुत्र स्व० लालमन कुशवाहा, रामजी पुत्र कल्लू कुशवाहा, मनोज पुत्र रामअवतार श्रीवास, इन्द्रपाल पुत्र श्ववण कुशवाहा सहित रज्जू पुत्र स्व०मेड़ेलाल कुशवाहा शामिल हैं। वही जुआरियों के पास से पास से 17 हजार 450 रुपये के साथ ही ताश के 52 पत्ते बरामद किये गये हैं। जुआरियों के खिलाफ मु0अ0सं0 227/2025 धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। जुआरियों को गिरफ्तार करने वाली टीम में खासतौर सेएस आई मुहम्मद सुल्तान, कांस्टेबल सुकेन्द्र सिंह, कांस्टेबल आशीष कुमार, कांस्टेबल राजेश कुमार यादव, कांस्टेबल श्रीकान्त राजपूत सहित कांस्टेबल राहुल कुमार

संक्षिप्त समाचार

यूरोप में सुरक्षा अलर्ट : क्या चीन एक बटन दबाकर ठप कर सकता है पब्लिक ट्रांसपोर्ट?

न्यूयार्क एजेंसी। अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ जेट में संभावित किल स्विच को लेकर जारी विवाद अभी शांत भी नहीं हुआ था कि यूरोप में एक और बड़ी सुरक्षा चिंता सामने आ गई है। कई यूरोपीय देश यह जांच कर रहे हैं कि क्या उनकी सड़कों पर चल रहीं सैकड़ों चीनी इलेक्ट्रिक बसों में भी ऐसा ही कोई मैकेनिज़्म मौजूद है, जिसके जरिए बीजिंग चाहे तो इन्हें दूर बैठकर ही बंद कर सकता है। पिछले महीने डेनमार्क, नीदरलैंड और नॉर्वे ने जांच शुरू की थी। अब ब्रिटेन ने भी इसी मुद्दे पर आधिकारिक जांच का आदेश दे दिया है। फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, यूके के परिवहन विभाग के अधिकारी और नेशनल साइबर सिक्योरिटी सेंटर मिलकर यह जांच रहे हैं कि चीनी बस निर्माता यूटोंग क्या यूके में चल रही अपनी बसों के कंट्रोल सिस्टम पर रिमोट एक्सेस, ओटीएअपडेट, या डायग्नोस्टिक्स कर सकता है? रिपोर्टों के अनुसार, इजरायल ने हाल ही में सीनियर सैन्य अधिकारियों को दी गई चीनी इलेक्ट्रिक कारों को जब्त करना शुरू कर दिया है। कारण- संभावित जासूसी, डेटा चोरी और चीनी सरकार तक संवेदनशील जानकारी पहुंचने का खतरा। नॉर्वे के ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर रूटर की जांच में पता चला कि बसों की बैटरी मैनेजमेंट और पावर सिस्टम पर रिमोट एक्सेस मौजूद है। यह एक्सेस ओटीए अपडेट के नाम पर दिया गया है। इससे बसों को रिमोट शटडाउन करने की क्षमता मिलती है — यानी एक तरह का किल स्विच। रूटर का कहना है- यूटोंग ने कभी अपनी बसों को दूर से बंद करने की कोशिश नहीं की लेकिन रिस्क वास्तविक है। कार्ड हटाने से खतरा कम हो सकता है लेकिन ऐसा करने पर सॉफ्टवेयर अपडेट रुक जाते हैं और परफॉर्मेंस प्रभावित होती है। कंपनी और उसके ब्रिटेन-ऑस्ट्रेलिया के अधिकृत वेंडर्स ने कहा ओटीए फीचर मौजूद है लेकिन अपडेट रिमोट नहीं, बल्कि ग्राहक की अनुमति के बाद फिजिकल विजिट में होते हैं। उनका कहना है कि रिमोट सिस्टम सिर्फ एसी और कंफर्ट फीचर्स तक सीमित है, न कि ब्रेकिंग/स्टीयरिंग जैसे महत्वपूर्ण फंक्शन तक। कंपनी का दावा है कि वह साइबर सिक्योरिटी मानकों का सख्ती से पालन करती है। इसके बावजूद यूरोप, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और इजरायल की सरकारें जांच को और तेज कर रही हैं।

अमेरिका में एआइ की मदद से सड़कों को किया जा रहा गड्ढामुक्त, कैमरों की ली जा रही मदद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सड़कों को गड्ढामुक्त करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का इस्तेमाल किया जा रहा है। एआइ के जरिये न केवल सड़कों के गड्ढों को चिह्नित किया जा रहा है, बल्कि तकनीक ही तय करती है कि किन गड्ढों को पहले भरा जाना है, कहां गार्डरेल ठीक होनी है, कहां साइनबोर्ड दुरुस्त होने हैं और किस मोड़ पर चेतावनी बोर्ड लगाए जाने हैं। ये कैमरे संबंधित विभाग को सूचना भेजते हैं और मरम्मत टीम मौके पर जाकर चीजें ठीक करती है। भारत में भी इससे प्रेरणा लेकर सड़कों को यातायात के लिए सुरक्षित बनाया जा सकता है। अमेरिका के हवाई राज्य के अधिकारियों ने बताया कि सड़क हादसों में कमी लाने के लिए 1000 डैशबोर्ड कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे एआइ के इस्तेमाल से सड़कों के किनारे लगे गार्डरेल, सड़क चिह्नों और पैदल मार्ग की मार्किंग का स्वचालित निरीक्षण करते हैं और आपात स्थितियों का आकलन करके मरम्मत कार्य दल को वारंट भेजते हैं। अधिकारियों का कहना है कि ये काम दैनिक आधार पर किया जाता है। कैलिफोर्निया के सैन जो इलाके में सड़कों पर लगे कैमरों के बारे में स्वीपर और सिटी स्टाफ ने बताया कि इस प्रणाली ने 97 प्रतिशत तक सही जानकारी दी। अब इस प्रयास को आगे बढ़ाया जा रहा है। टेक्सास राज्य में सड़कों की हालत का पता लगाने में आम लोगों की भी मदद ली जा रही है। स्वयंसेवी ड्राइवरों की गाड़ियों में लगे कैमरों के साथ-साथ मोबाइल फोन डेटा के इस्तेमाल से खराब सड़कों का पता लगाकर उसे ठीक किया जा रहा है। हवाई राज्य में 2021 से ही सड़क सुरक्षा के लिए आइज आन द रोड अभियान चलाया जा रहा था, जिसमें तमाम गाड़ियों में 499 डालर के डैशकैम फ्री में लगाए गए। इस काम में हवाई यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर रोजर चेन ने भी सहयोग किया। उन्होंने पुराने पड़ चुके सड़क ढांचे में सुधार के लिए कार्यक्रम तैयार किए। सैन जो के मेयर मैट महन ने सड़कों की बेहतरी के लिए दो स्टार्टअप भी शुरू किए हैं। उन्होंने कहा कि उनके एआइ डेटाबेस में शहर की खस्ताहाल सड़कों की तस्वीरें साझा की जाएं तो बड़े पैमाने पर सुधार कार्यक्रम चलाया जा सकता है। एआइ आधारित सड़क सुरक्षा तकनीक से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि आनेवाले वर्षों में लगभग सभी गाड़ियों में कैमरे लग जाएंगे, जिनसे सड़कों की स्थिति बेहतर की जा सकेगी, गड्ढे खत्म किए जा सकेंगे, साइनबोर्ड दुरुस्त रहेंगे और यातायात के लिए सड़कें और भी ज्यादा सुरक्षित हो जाएंगी।

अमेरिका में बढ़ी महंगाई, ट्रंप ने टैरिफ पर लिया यू-टर्न; भारत को होगा बड़ा फायदा

अमेरिकी , एजेंसी। आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के परिणामस्वरूप अमेरिकी उपभोक्ताओं के आक्रोश के मद्देनजर राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने एक और यू-टर्न लेते हुए कई वस्तुओं पर टैरिफ घटा दिया है। उन्होंने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके तहत काफी, टमाटर, केला और बीफ सहित 200 से ज्यादा खाद्य वस्तुओं को व्यापक शुल्कों से छूट मिल गई है। खाद्य आयात पर टैरिफ कम करने के ट्रंप प्रशासन के इस फैसले से भारत के आम, अनार और चाय निर्यात को इसका फायदा हो सकता है। उन्होंने कुछ दिन पहले जेनेरिक दवाओं से भी टैरिफ हटाया था। भारत लगभग 47 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। यह आदेश इन वस्तुओं को पारस्परिक टैरिफ प्रणाली से हटा देता है, जिसके तहत 10 प्रतिशत से 50 प्रतिशत के बीच की दरें लागू होती हैं। हालांकि, यह टैरिफ को पूरी तरह से समाप्त नहीं करता है। उदाहरण के लिए, अमेरिका के प्रमुख आपूर्तिकर्ता मेक्सिको से आयातित टमाटरों पर अभी भी 17 प्रतिशत टैरिफ लागू रहेगा। सीएनएन के अनुसार, लगभग 30 साल पुराने व्यापार समझौते की समाप्ति के बाद यह दर जुलाई से लागू है और इसके तुरंत बाद टमाटर की कीमतों में उछाल आया। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को घोषणा की कि उष्णकटिबंधीय फल औरजूस, चाय और मसाले उन आयातों में शामिल हैं जिन पर पारस्परिक शुल्क नहीं लगेगा। व्हाइट हाउस की ओर से जारी सूची में काफी और चाय, संतरे, टमाटर और बीफ का भी जिक्र है। ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क लगाया है और रूसी तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क भी जोड़ा है। लेकिन, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए ट्रंप ने पहले जेनेरिक दवाओं को शुल्क से मुक्त कर दिया।

भारत को क्या फायदा हुआ : इससे भारत को फायदा हुआ जो अमेरिका में लगभग 47 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। बहरहाल, ट्रंप का यह यू-टर्न बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि वह लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि इस साल की शुरुआत में उनके द्वारा लगाए गए व्यापक आयात शुल्क के कारण महंगाई नहीं बढ़ रही है। शुक्रवार शाम एयर फोर्स वन में इस कदम के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने पत्रकारों को अपने टैरिफ के बारे में कहा कि कुछ मामलों में ये कीमतें बढ़ा सकते हैं। लेकिन, कुल मिलाकर अमेरिका में वस्तुतः कोई मुद्रास्फीति नहीं है। उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते हुए चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति ने आम लोगों से जुड़े इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित किया है। डेमोक्रेट्स ने वर्जीनिया, न्यू जर्सी और न्यूयार्क सिटी में राज्य और स्थानीय चुनावों में लगातार जीत हासिल की है, जहां खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों को लेकर मतदाताओं की बढ़ती चिंता एक प्रमुख मुद्दा थी। ट्रंप प्रशासन ने गुरुवार को उन व्यापार समझौतों की रूपरेखा की घोषणा की, जिनके अंतिम रूप दिए जाने के बाद अर्जेंटीना, इक्वाडोर, ग्वाटेमाला और अल सल्वाडोर से कुछ खाद्य पदार्थों और अन्य आयातों पर टैरिफ समाप्त हो जाएंगे।

कई उत्पादों की कीमतों में भारी उछाल : अमेरिकी अधिकारी इस वर्ष के अंत तक अतिरिक्त समझौतों पर भी विचार कर रहे हैं। शुक्रवार की सूची में वे उत्पाद शामिल हैं जिन्हें अमेरिकी उपभोक्ता नियमित रूप से अपने परिवारों का पेट भरने के लिए खरीदते हैं, जिनमें से कई उत्पादों की कीमतों में साल-दर-साल दोहरे अंकों में वृद्धि देखी गई है। इसमें संतरे, अकाई बेरी और लाल शिमला मिर्च से लेकर कोको, खाद्य उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले रसायन, उर्वरक सहित 200 से ज्यादा उत्पाद शामिल हैं।

यूरोप में आंधी-तूफान ने मचाई तबाही, पुर्तगाल और ब्रिटेन में भीषण बाढ़; हाई अलर्ट जारी

लंदन, एजेंसी। तूफान क्लाउडिया ने यूरोप में भारी तबाही मचाई है। तूफान के क्लाउडिया के ब्रिटेन और वेल्स की ओर बढ़ने से दो लोगों की मौत हुई है और कई लोग घायल हो गए हैं। राहत बचाव की टीम लगातार रेस्क्यू में जुटी हैं। इस बीच पुर्तगाल के सेतुबल और फारो जिलों समेत कई क्षेत्रों में ऑरेंज अलर्ट जारी है।

दरअसल, तूफान क्लाउडिया ने यूरोप के कई देशों की मुश्किलें बढ़ा दी है। तूफान के कारण भारी बारिश और तेज हवाएं चलीं, जिससे भूस्खलन और बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई। यूरोन्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, तेज मौसम ने कई पेड़ उखाड़ दिए और घरों, सड़कों और वाहनों को नुकसान पहुंचाया।

पुर्तगाल के राष्ट्रीय आपातकालीन और नागरिक सुरक्षा प्राधिकरण के अनुसार, बुधवार दोपहर से शुक्रवार सुबह तक लगभग 2,434 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश बाढ़ से संबंधित थीं। दक्षिणी पुर्तगाल का फारो जिला शुक्रवार को सबसे अधिक प्रभावित हुआ, जहां भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण बाढ़ आ गई और पेड़ गिर गए। ब्रिटेन में भी तबाही तूफान क्लाउडिया के चलते ब्रिटने और वेल्स में लगातार आंधी पानी का दौर जारी है। ब्रिटेन के मौसम विभाग ने बताया कि ग्वेंट के तफालोग स्थित नेचुरल रिसोर्सेज वेल्स के वर्षामापी यंत्र पर गुरुवार और शुक्रवार के बीच 81.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

भारी बारिश के कारण ब्रिटेन के वेल्स में बाढ़ आ गई है। बचावकर्मी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर निकालने में जुटे हुए हैं। सेतुबल नगरपालिका के अजीताओ में भूस्खलन के बाद एक सड़क धंस गई, जिससे आवागमन प्रभावित हो गया है। सेतुबल जिले में कई जगहों पर बाढ़ आ गई। आज भी कई जगहों पर बाढ़ का हाई अलर्ट जारी है।

बचाव कर्मियों को गुरुवार को एक बुजुर्ग दंपति का शव उनके बाढ़ग्रस्त घर के अंदर मिला। आशंका है कि वे सो रहे थे और रात में पानी बढ़ने के कारण भाग नहीं पाए। पुर्तगाल में गरज के साथ भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी है। तटीय क्षेत्रों में, चार से पाँच मीटर ऊँची लहरों के लिए चेतावनी जारी है, जो शनिवार रात तक जारी रहने की उम्मीद है।

बीबीसी से वसूलेंगे पांच अरब डॉलर का हर्जाना, डॉक्यूमेंट्री मामले पर बोले ट्रंप

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा है कि अपने भाषण के गलत तरीके संपादन के मामले में वह बीबीसी (ब्रिटिश ब्राडकास्टिंग कॉर्पोरेशन) पर पांच अरब डालर के हर्जाने का मुकदमा दायर करेंगे। बीबीसी इस मामले में दो बार माफी मांग चुका है और उसके दो जिम्मेदार अधिकारियों ने इस्तीफे भी दिए हैं लेकिन ट्रंप इससे संतुष्ट नहीं हैं। बीबीसी की ट्रंप पर बनाई डॉक्यूमेंट्री में उनके छह जनवरी, 2021 के भाषण का गलत संपादन हुआ है। राष्ट्रपति पद के दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव हारने के बाद ट्रंप समर्थकों के बीच भाषण दे रहे थे। बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री में ट्रंप इसी दौरान समर्थकों पर अमेरिकी संसद पर हमले के लिए उकसाते हुए दिखाए गए हैं। संसद पर ट्रंप समर्थकों के हमले की घटना से अमेरिका की काफी किरकिरी हुई थी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों को भारी बल प्रयोग करना पड़ा था। 2024 में प्रसारित की गई थी डॉक्यूमेंट्री डॉक्यूमेंट्री में ट्रंप के भाषण में काट-छांट कर संसद पर हमले के लिए उन्हें जिम्मेदार बताने की कोशिश की गई है। यह डॉक्यूमेंट्री 2024 में तब प्रसारित की गई जब ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति चुने जाने के लिए फिर से चुनाव लड़ रहे थे। हाल ही में यह प्रकरण मीडिया में आने के बाद ट्रंप ने उस पर कड़ी नाराजगी जताई थी। ट्रंप के वकीलों ने इस मामले में बीबीसी को नोटिस भेजकर शुक्रवार तक माफी मांगने और एक अरब डॉलर का हर्जाना देने के लिए कहा था। बीबीसी ने शुक्रवार को ट्रंप से फिर माफी मांगी लेकिन हर्जाने पर कुछ नहीं कहा। बीबीसी के प्रमुख समीर शाह ने कहा, गलत संपादन के पीछे कोई बदनीयत नहीं थी। बीबीसी को भेजे नोटिस में ट्रंप के वकीलों ने कहा है कि डाक्यूमेंट्री में गलत भाषण दिखाए जाने से उनके मुवक्किल (ट्रंप) की छवि बिगड़ी और भारी आर्थिक नुकसान हुआ। शनिवार को छुट्टी मनाने के लिए फ्लोरिडा जाते समय ट्रंप ने अपने विमान एयरफोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पांच अरब डालर का हर्जाना वसूल करने के लिए अगले सप्ताह कानूनी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने मेरे मुंह से निकलने वाले शब्दों को बदला है, यह बहुत बड़ी गड़बड़ी है।

नेपाल के बाद अमेरिका के पड़ोसी देश में सड़कों पर उतरे जेन-जेड, कई शहरों में फैला प्रदर्शन

काठमांडु, एजेंसी। नेपाल के बाद अब अमेरिका के पड़ोसी देश मेक्सिको में भी जेन-जेड आंदोलन ने जोर पकड़ लिया है। बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार और हिंसा के खिलाफ शनिवार को हजारों लोग सड़कों पर उतरे। यह प्रदर्शन मुख्य रूप से राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबाउम की सुरक्षा नीतियों और ड्रग कार्टलों के खिलाफ नरमी के विरोध में किया गया। खासकर मिशोआकान राज्य में ड्रग तस्करों के खिलाफ अभियान चला रहे मेयर कार्लोस मंज़ो की हत्या के बाद आंदोलन ने तेजी पकड़ी।

विपक्षी दलों का समर्थन : जेन-जेड आंदोलन को विपक्षी दलों के विभिन्न आयु वर्ग के नेताओं और समर्थकों का भी खुलकर समर्थन मिला है। आंदोलन अब व्यापक रूप धारण कर चुका है। ज्यादातर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, लेकिन अंत में

कुछ युवाओं और पुलिस के बीच झड़पें भी हुईं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर, पटाखे, लाठियां और जंजीरें फेंकी और उनकी ढालें और उपकरण छीन लिए। जवाब में पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी और लाठीचार्ज किया।

झड़प में 120 घायल, 20 गिरफ्तार : राजधानी के सुरक्षा सचिव पाब्लो वाजक्वेज ने बताया कि झड़पों में कुल 120 लोग घायल हुए, जिनमें से 100 पुलिस अधिकारी शामिल हैं। इस मामले में 20 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को घसीटते और बल प्रयोग करते दिखाया गया, जिससे मनमानी गिरफ्तारियों और दुरुपयोग के आरोप लगे।

जेन-जेड आंदोलन की वजहें : जेन-जेड यानी 1990 के दशक के अंत और 2010 के शुरुआती वर्षों में जन्मे युवा इस साल कई देशों में असमानता, लोकतांत्रिक पतन और भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतरे हैं। नेपाल में सितंबर में हुए जेन-जेड प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा था। मेक्सिको में युवा भ्रष्टाचार, हिंसक अपराध और अपराधियों को दंड न मिलने से परेशान हैं। वे सरकार को नार्को-स्टेट (ड्रग माफिया प्रभावित राज्य) कहकर निशाना बना रहे हैं। इस प्रदर्शन में केवल युवा ही नहीं, बल्कि विभिन्न आयु वर्ग के लोग शामिल हुए। पूर्व राष्ट्रपति विसेंट फॉक्स और मेक्सिकन अरबपति रिकार्डो सेलिनास प्लीगो ने सोशल मीडिया पर समर्थन संदेश जारी किए। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय महल (पलासियो नासियोनल) के आसपास की बाड़ तोड़ी और राष्ट्रपति शेनबाउम के इस्तीफे की मांग की। कई ने वन पीस कार्टून से प्रेरित समुद्री डाकू का खोपड़ी वाला झंडा लहराया, जो जेन-जेड आंदोलन का वैश्विक प्रतीक बन चुका है। एक 29 वर्षीय प्रदर्शनकारी एंड्रेस मासा ने कहा, हमें अधिक सुरक्षा की जरूरत है।

चीन ने खोजा 1,000 टन से ज्यादा सोना, एक साल में तीसरी बार मिली बड़ी खदान

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने एक बार फिर अपने विशाल शिनजियांग क्षेत्र के कुनलून पर्वतों में सोने का एक विशाल भंडार खोज निकाला है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, यहां 1,000 टन से अधिक सोना मौजूद होने की संभावना है। यह खोज इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले एक साल में चीन को यह तीसरी मेगा-गोल्ड डिस्कवरी मिली है। इससे पहले लियाओनिंग और हुनान प्रांतों में भी 1,000 टन से ज्यादा सोने वाली खदानें मिली थीं। लगातार मिल रही इन खोजों ने दुनिया के गोल्ड मार्केट में चीन की संभावनाओं को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है।

कुनलून पर्वत में क्या मिला : चीनी भूविज्ञान एजेंसियों ने कुल 87 संभावित सोना-क्षेत्र की पहचान की। इनमें से 6 क्षेत्र बेहद महत्वपूर्ण बताए गए। पहाड़ों की ऊपरी 300 मीटर परत में सोने की परतें सीधे खनन योग्य पाई गईं। इससे खनन लागत कम होगी और चीन बहुत जल्दी इसका व्यावसायिक उत्खनन शुरू कर सकता है।

पहले दुनिया की सबसे बड़ी खदानें कितने टन की थीं : अब तक दुनिया की अधिकतर सबसे बड़ी सोने की खदानें कुछ सौ टन तक ही सीमित थीं। इसी वजह से 1,000+ टन का एक ही स्थान पर मिलना वैश्विक स्तर पर बड़ा भू-वैज्ञानिक घटनाक्रम माना जा रहा है।

पहले अनुमान गलत साबित हुए चीन के गोल्ड रिसोर्स उम्मीद से ज्यादा : विशेषज्ञों का अनुमान था कि चीन में लगभग 3,000 टन सोना अनमाइन्ड है। यह संख्या- रूस और ऑस्ट्रेलिया की तुलना में काफी कम मानी जाती थी। लेकिन नए हाईटेक सर्वे और तकनीकी खोजों ने दिखाया कि चीन के पास इसका कई गुना ज्यादा सोना हो सकता है।

2018 में बनाया गया क्रॉस-आकार का भू-तरंग एंटीना सिस्टम : यह सिस्टम जमीन की किलोमीटर-गहरी परतों तक संकेत भेज सकता है। इससे सोना ही नहीं बल्कि लिथियम,यूरेनियम,रेयर अर्थ मेटल्स,प्राकृतिक गैस और तेल की खोज भी कम लागत और अधिक सटीकता से हो रही है। इस टेक्नोलॉजी का प्रभाव चीन से बाहर अफ्रीकी देशों तक में दिख रहा है, जहां उसने कई नई खदानें खोजने में मदद की है। भारत में भी सोने की खानें हैं, विशेषकर राजस्थान,झारखंड और मध्य प्रदेश में। लेकिन रिजर्व अपेक्षाकृत छोटे,तकनीक पुरानी और खोज का बजट सीमित है। यही कारण है कि चीन जैसी मेगा डिस्कवरी भारत में फिलहाल नहीं देखी गई है।

युद्ध का संकेत दे रहा पाक, दिल्ली विस्फोट के बाद बलूच कार्यकर्ता का बड़ा दावा

करांची, एजेंसी। बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने शनिवार को दावा किया कि दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास हाल ही में हुए कार बम हमले और उसके बाद श्रीनगर में हुए आकस्मिक विस्फोट पाकिस्तान द्वारा युद्ध की घोषणा के समान है। विगत 78 वर्षों में दुनिया को पाकिस्तान के साथ संबंध बनाए रखने से आतंकवाद, रक्तपात, अस्थिरता, परमाणु हथियार हथियार, ब्लैकमेलिंग की रणनीति और देश की गिरती अर्थव्यवस्था को सहारा देने के बोझ के अलावा कुछ भी हासिल नहीं हुआ है।

मीर ने पाकिस्तान को बताया जिम्मेदार : मीर ने एक्स पोस्ट में लिखा, पाकिस्तान एक ऐसा देश है जिसका इतिहास गढ़ा गया है, जिसकी अर्थव्यवस्था बलूचिस्तान के विशाल संसाधनों के दोहन से चलती है, और जिसकी सेना ने आतंकवादी समूहों को बढ़ावा और प्रशिक्षण दिया है, जिससे संघर्ष का एक अंतहीन चक्र चलता रहा है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान एक बार फिर भारत में 1990 के दशक जैसी स्थितियां पैदा करने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा, बलूचिस्तान के रक्षा विश्लेषकों ने निष्कर्ष निकाला है कि पाकिस्तान का आतंकवाद छोड़ने का कोई इरादा नहीं है, और इसलिए, जैसा कि इजरायल ने किया है, दिल्ली को भी बड़े पैमाने पर निर्णायक कार्रवाई पर विचार करना चाहिए। इजरायल एक साथ कई, ज्यादा शक्तिशाली देशों पर हमले करता रहता है; जबकि पाकिस्तान, भारत के साथ एक महीने तक भी लगातार संघर्ष नहीं झेल पाएगा। इसलिए भारत के लिए यह जरूरी है कि वह पाकिस्तान के आतंकवादी हमलों से शुरू हुए संघर्ष को निर्णायक रूप से समाप्त करे। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत को बलूचिस्तान और अफगानिस्तान, दोनों को आपातकालीन आधार पर खुले तौर पर रक्षात्मक और सैन्य सहायता प्रदान करनी चाहिए। अफगानिस्तान में, भारत को बगराम के साथ-साथ कम से कम दस अतिरिक्त हवाई अड्डों की तलाश करनी चाहिए ताकि अफगानिस्तान की जमीन से अभियान शुरू किया जा सके। विशेषज्ञों का हवाला देते हुए मीर ने कहा कि दिल्ली और काबुल को संयुक्त रूप से एक भारत-अफगानिस्तान-बलूचिस्तान त्रिपक्षीय सम्मेलन की मेजबानी करनी चाहिए ताकि ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की जा सके और साझा हितों की रक्षा तथा पाकिस्तान की आईएसआई और सेना द्वारा छेड़े गए।

ब्राजील के जलवायु शिखर सम्मेलन में चीन ने संभाली कमान, अमेरिका पीछे हटा

टोरंटो, एजेंसी। ब्राजील के अमेज़न शहर बेलेम में हो रहे यूएन के वार्षिक जलवायु सम्मेलन सीओपी30 में इस बार एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अमेरिका पहली बार 30 साल में आधिकारिक तौर पर सम्मेलन से अनुपस्थित है और इसी खाली जगह को चीन ने तेजी से भर दिया है। सम्मेलन स्थल के मुख्य प्रवेश द्वार पर चीन का विशाल पैवेलियन, उसकी बड़ी कंपनियों की मौजूदगी और उसके अधिकारियों की सक्रिय कूटनीति ने इसे इस साल का सबसे प्रभावशाली देश बना दिया है।

अमेरिका के हटते ही चीन की भूमिका बढ़ी : चीन के पैवेलियन में सी ए टी एल, बी वाई डी ,स्टेट ग्रिड, ट्रिना सोलर और लोंगी जैसी दिग्गज ग्रीन-टेक कंपनियां लगातार प्रेजेंटेशन दे रही हैं। उनका फोकस है नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, और ग्रीन सप्लाई चेन। चीन के प्रतिनिधि लगातार दूसरे देशों से मुलाकात कर रहे हैं और क्लाइमेट नेगोशिएशन के माहौल को सकारात्मक रखने की कोशिश कर रहे हैं। जनरल फ्रांसेस्को ला कैमरा ने कहा- कूटनीति हमेशा खाली जगह की ओर बहती है,अमेरिका के हटने से वह जगह चीन ने ले ली है।

क्यों पीछे हटा अमेरिका : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर से जलवायु समझौतों के आलोचक बनकर सामने आए हैं। ट्रंप ने अमेरिका को दोबारा पेरिस जलवायु समझौते से बाहर कर दिया है। इस साल उन्होंने सीओपी30 में एक भी हाई-लेवल अमेरिकी प्रतिनिधि नहीं भेजा। व्हाइट हाउस प्रवक्ता टेलर रोजर्स ने कहा- ट्रंप अस्पष्ट क्लाइमेट लक्ष्यों के लिए अमेरिका की आर्थिक सुरक्षा दांव पर नहीं लगा सकते। विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिका का यह कदम वैश्विक जलवायु राजनीति में उसकी पकड़ कमजोर करता है। कैलिफ़ोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूज़ॉम ने

चेतावनी दी- अगर हमने जागरूकता नहीं दिखाई, तो नवीकरणीय ऊर्जा उद्योग में अमेरिका चीन से बहुत पीछे रह जाएगा।

चीन का विशाल सीओपी30पैवेलियन—पहले से कई गुना बड़ा : इस बार चीन का पैवेलियन सम्मेलन के प्रवेश द्वार के ठीक बगल में है। यहां टॉप चीनी कंपनियाँ अंग्रेज़ी में प्रेजेंटेशन दे रही हैं। आगंतुकों को आकर्षित करने के लिए सस्टेनेबल कॉफी, पांडा थीम वाले गिफ्ट्स और टेक डेमो रखे गए हैं। सीएटीएल के वाइस प्रेसिडेंट मेंग जियांगफेंग ने कहा- आइए मिलकर पेरिस समझौते के विज़न को आगे बढ़ाएं—एक स्वच्छ और सुंदर दुनिया बनाएं। सीएटीएल दुनिया के इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए हर तीसरी बैटरी सप्लाई करता है—टेस्ला, फोर्ड और वोक्सवैगन जैसे दिग्गज ग्राहक हैं।

दक्षिणी देशों को भी फायदा—चीन का दावा : चीन के पर्यावरण उप मंत्री ली गाओ ने कहा- दुनिया की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता होने से विकासशील देशों को भारी फायदा हुआ है। चीन ने सीओपी30 के लिए प्लग-इन हाइब्रिड वाहनों की एक पूरी फ्लीट भी उपलब्ध कराई है, जो बायोफ्यूल पर भी चल सकते हैं। ब्राज़ील के अधिकारी भी चीन के योगदान की तारीफ कर रहे हैं- चीन अपनी ऊर्जा क्रांति को दुनिया के लिए लाभकारी बना रहा है, कम दामों पर साफ ऊर्जा उपलब्ध हो रही है।

नेगोशिएशन में भी सक्रिय - अमेरिका की कमी पूरी कर रहा चीन : बैठकों में भी चीन का असर साफ दिख रहा है। पहले जहां चीन केवल अपने मुद्दों पर बोलता था, इस बार वह विभिन्न देशों को सहमति तक लाने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। ब्राज़ील के एक राजनयिक ने बताया कि चीन ने ष्टह्वक्क30 का एजेंडा फाइनल करवाने में अहम भूमिका निभाई।

क्या चीन वाकई 'लीडर' की भूमिका निभा रहा है : कुछ विशेषज्ञ कहते हैं कि चीन का नेतृत्व अभी आंशिक है- चीन ने अपने उत्सर्जन को 2035 तक केवल 7त्न घटाने का लक्ष्य रखा है, कई देशों को यह काफी नहीं लगता। लेकिन दूसरों का कहना है कि चीन की टेक्नोलॉजी ही दुनिया को नेट-जीरो तक पहुँचने में सबसे बड़ा योगदान दे रही है। एशिया सोसाइटी की चीन विशेषज्ञ ली शुओ का कहना है- सबसे ताकतवर देश वह नहीं होता जो ष्टह्वक्क में सबसे जोर से बोलता है, बल्कि वह होता है जो असल में ग्रीन टेक बना रहा होता है।

शुभमन को अस्पताल से छुट्टी मिली पर दूसरे टेस्ट में खेलने पर संशय बरकरार

फिट नहीं हुए तो सुदर्शन या पाडिक्कल को मिलगा अवसर

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल को अस्पताल से छुट्टी मिल गयी है। शुभमन को पहले टेस्ट में बल्लेबाजी के दौरान ही गर्दन में अकड़न आ गयी थी जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह अस्पताल से तो बाहर आ गये हैं पर अभी भी गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट में उनका खेलना संदिग्ध है। टीम प्रबंधन उनके कार्यभार को ध्यान में रखकर ही इस मामले में फैसला लेगा। शुभमन मंगलवार को होने वाले अभ्यास सत्र में भी भाग नहीं लेंगे। वहीं पूरी टीम बुधवार को गुवाहाटी रवाना होगी। गिल गर्दन की समस्या से उबर रहे हैं और ऐसे में माना जा रहा है कि वह अभी साथ खिलाड़ियों के साथ नहीं जाएंगे।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच के बाद कहा था था कि शुभमन की सेहत पर मेडिकल टीम की नजरें हैं और फिजियो जल्द ही उनकी एक और जांच करेगा उसके बाद ही उनके आगे खेलने पर फैसला होगा। पहले टेस्ट की दूसरी पारी में शुभमन के बाहर होने से भारत के पास एक बल्लेबाज की कमी हो गयी थी। गंभीर ने माना कि यह स्थिति आसान नहीं थी। उन्होंने कहा, यह एक कठिन परिस्थिति थी। शुरुआत से ही हम जानते थे कि हमारी बल्लेबाजी में एक खिलाड़ी की कमी है।

अगर गिल गुवाहाटी टेस्ट के लिए फिट नहीं होते, तो उनकी जगह पर बी साई सुदर्शन और देवदत्त पाडिक्कल को टीम में जगह मिल सकती है। पाडिक्कल ने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में एक-एक टेस्ट खेला था। अगर टीम एक-एक बदलाव तक सीमित रहती है, तो भारतीय टीम अगली इलेवन में सात बाएं हाथ के बल्लेबाजों के साथ उतरेगी। कोलकाता टेस्ट में भारतीय टीम ने पहली बार छह बाएं हाथ के बल्लेबाज उतारे थे। गिल पिछले साल भी गर्दन की अकड़न के कारण ही न्यूजीलैंड के खिलाफ एक टेस्ट नहीं खेल पाये थे। हैं। आईपीएल 2025 के बाद से ही लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं ऐसे में माना जा रहा है उन्हें फिटनेस बनाये रखने ब्रेक दिया जाना भी जरुरी है।

सिनर ने लगातार दूसरा बार जीता एटीपी फाइनल्स का खिताब, खिताबी मुकाबले में अल्काराज को हराया

ट्यूरिन (इटली) (एजेंसी)। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने फाइनल मुकाबले में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्पेन के कार्लोस अल्काराज को हराकर लगातार दूसरी बार अपना एटीपी फाइनल्स चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीता।

सिनर ने रविवार को खेले गये खिताबी मुकाबले में विश्व के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी अल्काराज को 7-6 (7-4), 7-5 से हराकर चैंपियनशिप अपने नाम की। सिनर ने पिछले तीन एटीपी फाइनल्स चैंपियनशिप मैचों में शामिल रहे हैं और उन्होंने लगातार दूसरी बार खिताब जीता है। 2023 के संस्करण में उन्हें सर्बिया के नोवाक जोकोविच से हार का सामना करना पड़ा था।

खिताब जीतने के बाद सिनर ने कहा, 'कार्लोस के खिलाफ खेलना मुश्किल था। वह खेल में वापसी करने वाले सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। मैं बहुत खुश हूं। यह बहुत ही कठिन मैच था। इस सीजन का इस तरह अंत करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' सिनर और अल्काराज ने साल के चारों ग्रैंड स्लैम खिताब बराबरी पर जीते हैं, जिसमें सिनर ने ऑस्ट्रेलियन और विंबलडन का खिताब जीता, जबकि स्पेनिश खिलाड़ी ने फ्रेंच और यूएस ओपन में जीत हासिल की। ट्यूरिन में ग्रुप चरण में तीन जीत के बाद, अल्काराज ने साल के अंत में नंबर वन रैंकिंग हासिल की, सिनर दूसरे स्थान पर हैं।

सीनियर खिलाड़ियों को आराम देने अज़लान शाह के लिए युवाओं को भेज रहे : कोच

–भारतीय टीम का 2026 सत्र रहने वाला है बेहद व्यस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम के कोच क्रेग फुल्टन ने कहा है कि मलेशिया में 23 नवंबर से शुरु हो रहे सुल्तान अज़लान शाह कप टूर्नामेंट में युवा खिलाड़ियों को शामिल करने का कारण उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव देने के साथ ही सीनियर खिलाड़ियों को भविष्य के मुकाबलों को देखते हुए आराम देना है। भारतीय टीम को आने वाले समय में कई बड़े मुकाबले खेलने है। इसी कारण हरमनप्रीत सिंह, जर्मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, और मनदीप सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। कोच ने कहा, भारत ए टीम चीन और यूरोप दौरे से लौटी है। इन्हीं खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में भेजने का लाभ ये है कि वे बड़े मंच पर कैसा प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने बताया कि टीम का हाल ही में तीन सप्ताह का सफल शिविर अच्छा रहा है। फुल्टन ने बताया कि वरिष्ठ खिलाड़ियों को आराम देने का सबसे बड़ा कारण है 2026 का व्यस्त और महत्वपूर्ण कैलेंडर इसमें भारतीय टीम को एफआईएस हॉकी वर्ल्ड कप, एशियन गेम्स लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक क्वालिफायर खेलने हैं। उन्होंने कहा- हमने इस साल एशिया कप जीतकर अगले साल के वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया है। 2026 को लेकर हमारे लक्ष्य बड़े हैं। साथ ही कहा कि साल 1975 के वर्ल्ड कप खिताब को 50 साल पूरे हो रहे हैं। हम फिर से उस स्तर तक पहुंचने और 2026 को भारत शीर्ष पर पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।फुल्टन के अनुसार इसी का युवाओं को भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भेजा जा रहा है जिससे हमारी टीम किसी भी दिन किसी भी टीम को हरा सके।

आईपीएल में कप्तानी करना भारतीय टीम की कप्तानी से भी मुश्किल: राहुल

–मानसिक और शारीरिक थकाना होती है

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान रहे केएल राहुल ने पहली बार कप्तानी छोड़ने के कारणों का खुलासा किया है। राहुल के अनुसार आईपीएल में कप्तिान करना उनके लिए कठिन रहा है। राहुल ने यहां तक कहा कि आईपीएल की कप्तानी करना उनके लिए भारतीय टीम की कप्तानी से भी कठिन रहा है। इससे उन्हें अधिक मानसिक और शारीरिक थकाना हुई है।

राहुल के अनुसार आईपीएल की कप्तानी इसलिए भी तनावपूर्ण होती है क्योंकि इसमें टीम मालिकों का दबाव रहता है, इसके अलावा लगातार बैठकें और समीक्षाएं होती रहती हैं। राहुल ने कहा आईपीएल में कप्तानी की सबसे कठिन बात थी उसमें होने वाली बार-बार बैठकें। इसमे हर फैसले पर सवाल उठाते थे और टीम मालिकों को भी हर बात सामझानी पड़ती थी। इससे खिलाड़ी मानसिक और शारीरिक रूप से थक जाता है। साथ ही कहा कि आईपीएल के बाद उन्हें 10 महीने के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ज्यादा थकान लगी। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा लगता था कि हर फैसले पर सवाल उठाया जा रहा है, इसमें से बातें होती थी कि विरोधी टीम कैसे इतने रन बना पायी हौर हम नहीं बना पाये।

वहीं राहुल ने कहा कि कोच और चयनकर्ता खेल को समझते हैं, इसलिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसे सवाल नहीं उठते हैं। वहीं ऐसे लोग जो क्रिकेट से नहीं होते विशेष रुप से मालिक उन्हें कोई बात समझाना संभव नहीं है। गौरतब है कि आईपीएल 2024 में राहुल की कप्तानी के दौर टीम मालिक से संजीव गोयनका से काफी बहस हुई थी जिसके बाद से ही ये अनुमान लगाया गया कि वह अगले सत्र में टीम के साथ नहीं रहेंगे। राहुल इसके बाद से ही दिल्ली कैपिटल्स में हैं।

वॉन ने गंभीर पर कसा तंज, ऐसी पिच तैयार करोगे तो हार ही मिलेगी

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम की हार के बाद कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है। वॉन ने तंज कसते हुए कहा कि अगर ऐसी पिच तैयार करोगे तो हार ही मिलेगी। वहीं इससे पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि वह इस मामले में पिच को दोष नहीं देते क्योंकि इसी प्रकार की पिच बनाने को उन्होंने कहा था। साथ ही कहा कि हमारी टीम को टर्निंग पिच पर खेलने आना चाहिए और अगर नहीं खेलेंगे तो हारना तय है। इसी पर वॉन ने लिखा, 'ऐसी पिच तैयार करो और विश्व टेस्ट चैंपियंस के खिलाफ आगे भी हारने के लिए तैयार रहो। इसके साथ ही उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को शानदार जीत पर बधाई दी।' इस मैच में दोनों टीमें असमान उछाल और तेज टर्न के खिलाफ संघर्ष कर रही थी। केवल दक्षिण अफ्रीकी कप्तान तेंबा बवुमा ही इस मैच में अर्धशतक लगा पाये। कई पूर्व क्रिकेटरों ने भी पिच पर निराशा व्यक्त की। गंभीर ने कहा हालात वही थीं जो टीम चाहती थी पर हमारे बल्लेबाज रन बनाने में विफल रहे।

भारतीय टीम जीत के साथ ही सेमीफाइनल में पहुंची

–दृष्टिबाधित टी20 महिला विश्वकप : भारत–पाक मैच के बाद दोनो टीमों की खिलाड़ियों ने मिलाये हाथ

दोहा (एजेंसी)। भारतीय दृष्टिबाधित महिला टीम ने टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की टीम को 8 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी है। इस मैच में पहली बार भारत और पाक की खिलाड़ियों ने हाथ मिलाये। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से से ही दोनो ही टीमों के खिलाड़ियों के बीच हाथ मिलाने का सिलसिला रुका हुआ था। ये पहला मैच था जिसमें दोनो टीमो के खिलाड़ियों ने अंत में हाथ मिलाये। भारतीय टीम ने इस मैच को केवल 10 ओवर में ही जीत लिया। इस टूर्नामेंट में ये पांचवां मुकाबला था जिसे भारतीय टीम ने जीता है। इस मैच में भी टॉस के दौरान दोनों टीमों के कप्तानों ने एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाए पर मैच समाप्त होने के बाद दोनों टीमों की खिलाड़ियों ने एक दूसरे से हाथ मिलाए और एक दूसरे का अभिवादन किया। इसके अलावा दोनों ही टीमें मैच के लिए एक ही बस में सवार होकर स्टेडियम पहुंची। मैच समाप्त होने के बाद पाकिस्तानी टीम की कप्तान निमरा रफीक ने भारत को जीत की बधाई दी। वहीं भारतीय कप्तान दीपिका टीसी ने भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों के प्रदर्शन की प्रशंसा की।

इस मैच में पाक की नेत्रहीन महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 135 रन बनाये। महरीन ने 66 रन और अशरफ ने 44 रन बनाए। इसके बाद भारतीय टीम ने जीत के लिए मिले लक्ष्य को दीपिका के 45 रनों और अनेखा देवी के 64 रनों की सहायता से 10 ओवर में 2 विकेट पर 136 रन बनाकर हासिल कर लिया।

हरभजन ने ईडन गार्डन की पिच पर नाराजगी जतायी, इस प्रकार की पिचों से टेस्ट क्रिकेटर को हो रहा नुकसान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही टेस्ट में टीम को मिली करारी हार पर निराशा जतायी है। हरभजन ने इस हार के लिए टीम प्रबंधन को जिम्मेदार बताते हुए उन्हें आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन ने ऐसी पिच बनवायी जिसपर बल्लेबाजी करना बेहद कठिन था। भारतीय टीम की तीन दिनों के अंदर हुई हार के बाद ही ईडन गार्डन्स की पिच विवादों में है क्योंकि तीन दिन के अंदर ही 40 विकेट गिर गए। हरभजन ने कहा कि ऐसी पिचों के कारण ही टेस्ट क्रिकेट को नुकसान हो रहा है। साथ ही कहा कि इस प्रकार की पिच पर खेलकर खिलाड़ी आगे नहीं बढ़ सकते। हरभजन ने कहा, 'इस प्रकार की पिच से पूरी टेस्ट क्रिकेट बर्बाद हो रहा है। इस प्रकार की पिचें बनाने को काम पिछले कुछ समय से हो रहा है। मैं कई सालों से देख रहा हूं। कोई इस बारे में बात नहीं करता क्योंकि टीम जीत रही है, कोई विकेट ले रहा है, कोई महान खिलाड़ी बन रहा है। उन विकेटों को लेकर इसलिए सबको लगता है कि सब कुछ ठीक चल रहा है। मुझे लगता है कि यह चलन आज शुरू नहीं हुआ है। यह कई सालों से चल रहा है, और मुझे लगता है कि यह खेलने का सही तरीका नहीं है!' साथ ही कहा 'आप किसी भी तरह से आगे नहीं बढ़ रहे हैं, आप चक्की में बंधे घूम रहे हैं। आप जीत रहे हैं, लेकिन इसका कोई लाभ नहीं है क्योंकि एक क्रिकेटर के रूप में, आप आगे नहीं बढ़ रहे हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह समय है इस पर विचार करने का कि ऐसी पिचों पर मैच खेलना जहां आपके बल्लेबाज यह भी नहीं जानते कि रन कैसे बनाए जाएं।

'स्पिन खेलने में भारत से बेहतर हैं पश्चिमी टीमें', अश्विन का भारतीय बल्लेबाजों पर बड़ा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविचंद्रन अश्विन ने भारतीय बल्लेबाजों में गेंदबाजों के खिलाफ खेलने की क्षमता की कमी को उजागर करते हुए दावा किया कि अगर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर या पूर्व घरेलू हीरो अमोल मजूमदार, भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच और मिथुन मन्हास ऐसी पिच पर स्पिनरों के खिलाफ खेले होते, तो टेस्ट चार दिन तक चलता, जबकि भारत को ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 30 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा था।

इस हार को देखने के बाद, पूर्व ऑफ स्पिनर अश्विन, जिन्होंने पिछले एक दशक में अपनी स्पिन में महारत के साथ टर्निंग ट्रैक पर भारत की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, का मानना ??है कि पश्चिमी देश स्पिन से निपटने में भारत से कहीं बेहतर हैं। भारत और विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट मैच बमुश्किल तीन दिन चला, क्योंकि मेजबान टीम 134 रनों के लक्ष्य को हासिल करने में नाकाम रही और 93 रनों पर ढेर हो गई।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि मैं एक ऐसे दौर में एक और मैच में अपनी गर्दन निकालकर कहूंगा, जब स्पिन गेंदबाजी का बखूबी मुकाबला किया जाता था। मैं अमोल मजूमदार और मिथुन मन्हास, जो बीसीसीआई अध्यक्ष हैं, का नाम लूंगा, और मैं सभी का नाम नहीं लूंगा, बल्कि अपने चरम पर क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर का नाम लूंगा। अश्विन ने आगे कहा कि अगर ये खिलाड़ी स्पिन के ख़िलाफ़ इसी विकेट पर खेलते, तो यह मैच चार दिन तक खिंच सकता था। कुल 16 बल्लेबाज़ों में से सिर्फ़ तीन-चार बल्लेबाज़ ही अच्छी तरह से डिफ़ेंड कर पाए। अगर आपको टर्निंग ट्रैक पर खेलना है, तो स्पिन के ख़िलाफ़ आपका खेल अच्छा होना चाहिए; वरना, ऐसी पिचों पर मत खेलिए।

पहली पारी में गर्दन में ऐंठन के कारण भारत के कप्तान शुभमन गिल का विकेट गिर गया। कप्तान के बिना, गिल के उपकप्तान ऋषभ पंत ने उनकी जगह ज़िम्मेदारी संभाली और भारत ने 10 खिलाड़ियों के साथ मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने की कोशिश की। वाशिंगटन सुंदर (92 गेंदों पर 31 रन) और अक्षर पटेल (17 गेंदों पर 26 रन) की ज़बरदस्त पारियों के बावजूद नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। भारत की हार के असली सूत्रधार साइमन हार्मर थे, जिन्होंने अपनी बाएँ हाथ की स्पिन से पंत, ध्रुव जुरेल और रवींद्र जडेजा के विकेट चटकाए और 30 रन देकर 4 विकेट लिए। हार्मर के खिलाफ भारत का संघर्ष आधुनिक समय की दिग्गज टीमों की स्पिन के खिलाफ घटती कला की कड़वी याद दिलाता है।

रिजवान व फखर के अर्धशतकों से पाकिस्तान ने तीसरे एकदिवसीय में श्रीलंकाई टीम को 6 विकेट से हराया, 3–0 से सीरीज जीती

लाहौर। मोहम्मद वसीम जूनियर की अच्छी गेंदबाजी और मोहम्मद रिजवान वह फखर जमा की बेहतरीन बल्लेबाजी से पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में 6 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज पाक टीम ने 3–0 से जीत ली है। इस मैच में मेहमान श्रीलंकाई टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 45.2 ओवरों में ही 211 रनों पर आउट हो गयी। पाक की ओर से वसीम ने तीन विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले 212 रनों के लक्ष्य को पाक ने रिजवान और फखर के अर्धशतकों की सहायता से 4 विकेट के नुकसान पर 45वें ओवर में ही हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम की ओर से ओपनर पथुम निसंका 24 रन बनाकर ही आउट हो गये। सदीरा समरविक्रमा ने सबसे अधिक 48 रन की पारी खेली जबकि पवन रत्नायके ने 32 रन बनाये जबकि कामिल मिश्रा ने 29 रन बनाये। पाक की ओर से वसीम जूनियर ने 3 विकेट लिए जबकि हारिस रउफ और फैसल अकरम को दो– दो विकेट मिले। 212 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम ने 44.4 ओवर में ही 4 विकेट के नुकसान पर 215 रन बनाकर मैच जीत लिया। सलामी बल्लेबाज फखर जमां ने 45 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 55 रन बनाये जबकि मोहम्मद रिजवान ने 92 गेंदों पर 62 रन बनाये। बाबर आजम ने 52 गेंदों पर 34 रन बनाए। हुसैन तलत 57 गेंदों पर 42 रन बनाकर नाबाद लौटे। वहीं श्रीलंका की ओर से जेफ्री वेंडरसे ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए जबकि एक विकेट महीश तीक्षणा को मिला।

दिनेश कार्तिक की चेतावनी-सुंदर को नंबर-3 पर भेजकर टीम इंडिया कर रही है बड़ी गलती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट में टीम इंडिया ने वॉशिंगटन सुंदर को एक चौंकाने वाला प्रमोशन दिया और उन्हें नंबर-3 पर बल्लेबाजी के लिए भेजा। हालांकि यह प्रयोग उम्मीद के मुताबिक नहीं चला और सुंदर दोनों पारियों को मिलाकर सिर्फ 60 रन ही बना पाए। इतना ही नहीं, गेंदबाजी में भी उनका असर बिल्कुल नहीं दिखा और पूरे मैच में उन्होंने सिर्फ एक ओवर फेंका।

कार्तिक ने जताई चिंता—'यह उनकी गेंदबाजी पर असर डालेगा'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने इस फैसले को गलत ठहराते हुए साफ कहा कि सुंदर को टॉप ऑर्डर में भेजना उनकी गेंदबाजी क्षमता पर बड़ा असर डाल सकता है।

कार्तिक ने कहा:'अगर आप सुंदर को नंबर-3 भेज रहे हैं, तो आप उन्हें बता रहे हैं कि अब उन्हें बल्लेबाजी पर ज़्यादा ध्यान देना होगा। जैसे-जैसे वह बैटिंग पर समय देंगे, उनकी गेंदबाजी की प्रैक्टिस घटेगी—और दोनों में टॉप पर रहना शारीरिक रूप से संभव नहीं है।' उन्होंने यह भी कहा कि लंबे वक्त में यह फैसला उनके गेंदबाजी कौशल को नुकसान पहुंचा सकता है।

सुंदर की नई भूमिका पर उठे सवाल

सुंदर ने साई सुदर्शन की जगह नंबर-3 बल्लेबाज़ की भूमिका निभाई थी। हालांकि यह पोजीशन आमतौर पर टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज़ की होती है। सुंदर ने सीमित ओवर

क्रिकेट में अपनी बल्लेबाजी क्षमता दिखाई है, लेकिन टेस्ट में यह भूमिका उनके लिए नई और चुनौतीपूर्ण है। दूसरे टेस्ट (22 नवंबर, गुवाहाटी) में वह उसी स्थान पर खेलेंगे या नहीं, यह अभी बड़ा सवाल बना हुआ है।

माइकल फेल्प्स हैं विश्व के सबसे सफल तैराक, ओलंपिक में जीते हैं कुल 28 पदक

नई दिल्ली। तैराकी आज ओलंपिक सहित कई खेलों का अहम हिस्सा है जबकि पहले के समय में किसी ने इसकी कल्पना नहीं की थी कि इसे भी खेलों में जगह मिलेगी। ओलंपिक खेलों में अमेरिका के माइकल फेल्प्स विश्व के सबसे सफल तैराक हैं। फेल्प्स ने ओलंपिक में कुल 28 पदक जीते हैं, जिनमें 23 स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। वह न सिर्फ तैराकी में बल्कि किसी भी इवेंट में ओलंपिक इतिहास के सबसे सफल और सबसे ज्यादा पदक जीतने वाले एथलीट हैं। तैराकी स्पर्धा की सबसे अधिक सुविधा संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, और सिंगापुर में हैं। सिंगापुर ने रियो ओलंपिक में तैराकी में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा, स्वीडन, नीदरलैंड, नॉर्वे, और फिनलैंड में भी तैराकी काफी लोकप्रिय है। वहीं भारत की बात की जाये तो अभी वह काफी पीछे हैं। देश में स्विमिंग पूल की कमी, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, प्रमुख बाधा है। स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया नियमित रूप से राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित करता है पर अभी ये पर्याप्त नहीं कही जा सकती हैं। अगर तैराकी के यहां तक के सफल पर नजर डालें तो प्राचीन मिस्र, यूनान और रोम में तैराकी सैन्य प्रशिक्षण, मनोरंजन और स्वास्थ्य का हिस्सा थी। वहीं इसके बाद 19वीं सदी में ब्रिटेन में तैराकी क्लब बने। धीरे–धीरे तैराकी का विकास एक खेल के रूप में हुआ और इसे 1896 के ओलंपिक में शामिल किया गया। महिला तैराकों को ओलंपिक में पहली बार भाग लेने का अवसर 1912 से मिला। 20वीं सदी में तकनीकी प्रगति हुई। फ्लिपर्स, गॉगल्स और स्पीडो सूट जैसे उपकरण आए। फेडरेशन इंटरनेशनल डी नेटेशन की स्थापना 1908 में हुई, जो नियम निर्धारित करती है। समय के साथ तैराकी में फ्रीस्टाइल, बैकस्ट्रोक, ब्रेस्टस्ट्रोक और बटरफ्लाई शैलियां विकसित हुईं। 1896 ओलंपिक से शुरू हुआ तैराकी का वैश्विक सफर 2024 ओलंपिक तक एक समृद्ध विरासत के रूप में विकसित हो गया है। आज तैराकी को खेल के साथ–साथ फिटनेस के नजरिये से भी बेहद अहम माना जाता है।

कोई भी बाहर बैठे, दक्षिण अफ्रीका जीत का रास्ता ढूंढ लेगा: कागिसो रबाडा

कोलकाता (एजेंसी)। पसलियों में चोट के कारण भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से बाहर रहे दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा अपनी टीम की असफलताओं से उबरने और किसी भी खिलाड़ी के नहीं खेल पाने के बावजूद जीत का रास्ता तलाशने की क्षमता से काफी प्रभावित हैं।

मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप विजेता दक्षिण अफ्रीका की टीम ने रविवार को यहां पहले टेस्ट मैच में भारत को तीन दिन के अंदर 30 रन से हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका की यह पिछले 15 साल में भारतीय धरती पर पहली जीत थी जिससे उसने दो मैच की श्रृंखला में 1-0 की अजेय बढ़त बना ली।

रबाडा ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन बाहर बैठता है, हम तब भी जीतने का एक तरीका ढूंढ लेंगे। (कप्तान) तेम्बा (बावुमा) ने हमारे लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है लेकिन वह प्रत्येक मैच में नहीं खेल पाए। मैं भी इस मैच में नहीं खेल पाया था।'

बावुमा चोटिल होने के कारण पाकिस्तान में दो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पाने के बाद अंतिम एकादश में लौटे हैं। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ पहला मैच गंवाने के बाद शानदार वापसी करके श्रृंखला 1-1 से बराबर कराई थी। रबाडा ने कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। जो भी मैदान पर उतरेगा, हमारा मानना है कि वह अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा सकता है।'

दक्षिण अफ्रीका यहां के असमान उछाल और टर्न लेने वाले विकेट पर जीत हासिल करने में सफल रहा। रबाडा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन की सराहना की, जिसमें कप्तान बावुमा की दूसरी पारी में खेली गई 55 रन की पारी भी शामिल है। रबाडा ने कहा, 'पहली पारी में एडेन (मार्करम) और (रयान) रिकेल्टन ने हमें अच्छी शुरुआत दी। उन्होंने लय बनाई। मार्को (यानसन) ने अच्छा प्रदर्शन किया। बोस्ची (कॉर्बिन बॉश) अहम मौकों पर डटे रहे। सभी ने योगदान दिया और यही इस टीम की विशेषता है।'

अभी तक यह सुनिश्चित नहीं है कि रबाडा 22 नवंबर से गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में खेल पाएंगे या नहीं। रबाडा ने कहा कि कोलकाता में कम स्कोर वाले रोमांचक मैच में मिली जीत इस सत्र में दक्षिण अफ्रीका की सर्वश्रेष्ठ तीन जीत में शामिल है। उन्होंने कहा, '(यह जीत) निश्चित रूप से शीर्ष पर है। इस सत्र में हमने जिस तरह की जीत हासिल की है, उसके आधार पर यह कहना मुश्किल है, क्योंकि हमने कुछ शानदार जीत हासिल की हैं, लेकिन यह जीत निश्चित रूप से शीर्ष तीन में है।'

फरहान अख्तर ने बताया फिल्म 120 बहादुर ने कैसे बदला उनका नजरिया

फिल्म 'लक्ष्य' को फरहान अख्तर ने निर्देशित किया था, इस फिल्म ने सेना की अहमियत और देशभक्ति के मायने लोगों को समझाए थे। अब फरहान अख्तर बतौर एक्टर फिल्म '120 बहादुर' में काम कर रहे हैं। जल्द यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी फिल्म से जुड़े एक इंटरव्यू में फरहान अख्तर ने असल देशभक्ति के मायने बताए।

फरहान की नजर में क्या है देशभक्ति

जस्ट टू फिल्मी को दिए गए इंटरव्यू में फरहान अख्तर कहते हैं, 'देशभक्ति बहुत खूबसूरत अहसास है, लेकिन अंधराष्ट्रवाद बहुत बुरी चीज है। मेरा मानना है कि जब हमारे सैनिक पूरी ईमानदारी से अपना काम करते हैं, तो उनको कुछ कहने की जरूरत नहीं होती है। उनके काम, फैसले ही देशभक्ति को, देश के लिए वफादारी को दिखाते हैं। हमारी फिल्म भी ऐसी ही सच्चाई को बयां करती है।'

'120 बहादुर' से क्या सीखा?

फरहान अख्तर इंटरव्यू में आगे कहते हैं, 'जब मैं फिल्म की तैयारियों के लिए मेजर शैतान सिंह के बेटे से मिला तो उन्होंने बताया कि वह हमेशा मुस्कुराते रहते थे। यहां तक कि मुश्किल वक्त में भी उनके चेहरे पर मुस्कान रहती थी। इससे उनकी नेचर और लीडरशिप क्वालिटी के बारे में पता चला।' फरहान ने आगे कहा, 'हमारी फिल्म की कहानी बहुत कुछ सिखाती है। '120 बहादुर' बताती है कि कोई भी लड़ाई अकेले नहीं जीती जाती है। सही लीडरशिप और साथ मिलकर दिखाए गए साहस से ऐसा मुमकिन होता है।'

क्या है फिल्म की कहानी?

फरहान अख्तर की फिल्म '120 बहादुर' की कहानी 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान रेजांग ला की लड़ाई पर आधारित है। इस लड़ाई में 13 कुमाऊं रेजिमेंट के लगभग 120 भारतीय सैनिकों ने मेजर शैतान सिंह भाटी के नेतृत्व में 3,000 से अधिक चीनी सैनिकों का बहादुरी से सामना किया था। अंतिम सांस तक अपनी चौकी की रक्षा की। फिल्म में फरहान मेजर शैतान सिंह भाटी के किरदार में ही नजर आएंगे। यह फिल्म 21 नवंबर को रिलीज होने वाली है।

मां बनने के बाद बदलीं हैं कई चीजें

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के आठ घंटे काम की मांग करने के बाद इंडस्ट्री में एक बहस लगातार छिड़ी है। हालांकि, इसके बाद दीपिका के हाथ से 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल जैसी बड़ी फिल्में भी चली गईं। लेकिन दीपिका अपनी अपनी मांग पर कायम हैं और उन्हें इंडस्ट्री के भी कई लोगों का समर्थन मिला है। दीपिका ने ये फैसला अपनी बेटी दुआ के होने के बाद लिया है।

जरूरत से ज्यादा काम करने को हमने सामान्य बना दिया

दीपिका का कहना है कि नई मांओं को काम पर लौटने के लिए सहयोग की जरूरत होती है। इसी वजह से उन्होंने ऐसा फैसला लिया है। हार्पर बाजार इंडिया के साथ बातचीत में अपने रुख को स्पष्ट करते हुए दीपिका ने कहा कि हमने जरूरत से ज्यादा काम करना सामान्य मान लिया है। हम थकान को प्रतिबद्धता समझने की भूल करते हैं। इंसान के शरीर और दिमाग के लिए दिन में आठ घंटे काम करना काफी है। मैं इसी पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हूं। सिर्फ स्वस्थ रहने पर ही आप अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकते हैं। एक थके हुए व्यक्ति को वापस काम पर लाने से किसी को कोई फायदा नहीं होता। मेरे अपने ऑफिस में हम सोमवार से शुक्रवार तक दिन में आठ घंटे काम करते हैं। हमारे यहां मैटरनिटी और पेटरनिटी को लेकर नीतियां हैं। हमें बच्चों को काम पर लाना सामान्य बनाना चाहिए।

मां बनने के बाद बदलीं प्राथमिकताएं बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने बताया कि कैसे मां बनने के बाद उनकी प्राथमिकता बदल गई हैं। उन्होंने कहा कि आज मेरे लिए सफलता शारीरिक और इमोशनल रूप से फिट रहना है। समय हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। मैं इसे कैसे खर्च करती हूं, किसके साथ खर्च करती हूं। यह तय करने की आजादी होना ही मेरे लिए सबसे बड़ी सफलता है।

'किंग' में शाहरुख के साथ नजर आएंगी दीपिका

वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'किंग' की शूटिंग कर रही हैं। इस फिल्म में वो शाहरुख खान के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास एटली और अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म भी है। यह एक बड़े बजट की फिल्म है। फिल्म को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

राजकुमार राव और पत्रलेखा के घर आई नन्हीं परी

अभिनेता राजकुमार राव और उनकी पत्नी पत्रलेखा के घर नन्हीं परी का आगमन हुआ है। पत्रलेखा ने बेबी गर्ल को जन्म दिया है। राजकुमार राव ने सुबह-सुबह ही ये गुड न्यूज अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया के जरिए शेयर की है। फैंस कपल को ढेर सारी बधाइयां दे रहे हैं। राजकुमार राव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। पोस्टर में एक बेबी यूनिकॉर्न बना है और उस पर लिखा है, आज हम खुद को चांद से भी परे महसूस कर रहे हैं, क्योंकि आशीर्वाद के रूप में हमारे घर बेबी गर्ल आई है। उन्होंने फोटो के कैप्शन में लिखा, भगवान ने हमें हमारी चौथी शादी की सालगिरह पर सबसे बड़ा आशीर्वाद दिया है। बता दें कि 15 नवंबर 2021 को राजकुमार राव और पत्रलेखा ने एक निजी समारोह में चंडीगढ़ में शादी की थी। शादी में परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। राजकुमार राव और पत्रलेखा 11 साल के लंबे रिश्ते के बाद शादी के बंधन में बंधे थे। सोशल मीडिया पर दोनों की शादी की फोटोज ने फैंस को खुश कर दिया था। अब चार साल बाद शादी की सालगिरह पर ही उनके घर बड़ी खुशी आई है।

खबर सामने आने पर बॉलीवुड स्टार्स ने भी कपल को बधाई देना शुरू कर दिया है। वरुण धवन ने पोस्ट कर कमेंट कर लिखा, आपका गर्ल क्लब में स्वागत है दोस्तों। वरुण भी बेबी गर्ल के पिता हैं। एक्टर अली फजल ने भी कमेंट कर लिखा, ओह गॉड, ये सुनकर बहुत खुशी हुई। आप दोनों खूबसूरत लोगों को बधाई। बाकी यूजर्स भी हार्ट इमोजी पोस्ट कर अपना प्यार लुटा रहे हैं। अली फजल और ऋचा चड्ढा भी बेबी गर्ल के माता-पिता हैं। इससे पहले 9 जुलाई को कपल ने सोशल मीडिया पर पहली बार प्रेग्नेंसी की खबर की जानकारी दी थी। उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर लिखा था, बेबी ऑन द वे। तभी से फैंस इस खुशखबरी का इंतजार कर रहे थे और फाइनली कपल के घर नन्हीं परी ने जन्म लिया है।

पैपराजी की इस हरकत पर नाराज हुए अर्जुन कपूर

अर्जुन कपूर की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चल रही हैं। वह अपनी एक्टिंग को लेकर भी ट्रोल हो चुके हैं। हाल ही में सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें दोबारा ट्रोल किया। दरअसल, एक वायरल वीडियो में अर्जुन पैपराजी पर नाराज होते दिखे। क्या है पूरा मामला?

अर्जुन कपूर पैपराजी पर हुए गुस्सा

पैपराजी ने अर्जुन कपूर को मुंबई में एक इवेंट में स्पॉट किया। एक्टर से फोटो क्लिक करवाने को कहा था तो पोज देने के लिए तैयार हो गए। इसी बीच अचानक कुछ फैंस आकर उनके साथ फोटो क्लिक करवाने लगे। फैंस को देखकर पैपराजी चिल्लाए और अर्जुन कपूर से दूर हटने को कहने लगे। यह देखकर अर्जुन नाराज हो गए। वह पैपराजी को चुप रहने के लिए कहते दिखे। इसके बाद अर्जुन ने फैंस को फोटो दिए।

अर्जुन कपूर अच्छे एफर्ट के बाद भी हुए ट्रोल

अर्जुन कपूर ने अपने फैंस को इंपॉर्टेंस दी और पैपराजी को चुप रहने को कहा। इसके बावजूद भी एक्टर को यूजर ने ट्रोल किया। दरअसल, यूजर्स यह मानने को तैयार नहीं है कि अर्जुन कपूर के भी फैंस हो सकते हैं। ट्रोल करने वालों ने कहा कि क्या सच में अर्जुन कपूर के फैंस हैं? कुछ यूजर्स ने कहा कि अर्जुन कपूर को उनके साथ फोटो लेनी चाहिए।

शक्ति शालिनी से पहले अनीत देंगी बीए की परीक्षाएं

सै यारा से देश की सबसे बड़ी जेन-जी स्टार बन चुकीं अनीत पड्डा दिसंबर और जनवरी में अपने कॉलेज की फाइनल ईयर परीक्षाएं देंगी। सूत्रों के अनुसार, परीक्षाओं के तुरंत बाद वह दिनेश विजान की अगली फिल्म शक्ति शालिनी की शूटिंग शुरू करेंगी, जिसमें वह लीड रोल में हैं। अनीत पॉलिटिकल साइंस में बीए (ऑनर्स) की पढ़ाई कर रही हैं और इस समय पढ़ाई और वर्क फ्रंट को संतुलित करने में व्यस्त हैं। उनके शेड्यूल को इस तरह मैनेज किया गया है कि पढ़ाई को पूरा समय मिल सके, जबकि फिल्म का काम भी समय पर पूरा हो। सैयारा अनीत का वाईआरएफ डेब्यू था, जिसमें अहान पांडे के साथ उन्होंने अपने प्रदर्शन से इतिहास रच दिया। इसके बाद दिनेश विजान ने अपनी ब्लॉकबस्टर हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म शक्ति शालिनी के लिए अनीत को चुना। फिल्म 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी, जिससे अनीत फिर इतिहास में दर्ज हो जाएंगी, सबसे कम उम्र की एक्ट्रेस जिनकी फिल्म देश के सबसे बड़े सुपरस्टार्स की तरह मेगा हॉलीडे स्लॉट में आएगी।

मैं कह सकता हूं कि मैं बिकाऊ हो गया हूं, मुझे अच्छे पैसे मिल रहे हैं

पंचायत के तमाम सीजन में सचिव जी के रूप में मशहूर हुए जितेंद्र आज ओटीटी के बेहतरीन एक्टर्स में गिने जाते हैं। हाल ही में भागवत चैप्टर वन -राक्षस से चर्चा में आए जितेंद्र कुमार से खास बातचीत।

ह्ल्ल्ल के बाद फिल्मों का रुख करने वाले जितेंद्र कहते हैं कि वे फिल्मों में विविध भूमिकाएं करने के इच्छुक हैं। बकौल जितेंद्र, एक तरह से मैं अपनी सीधी-सादी इमेज से निकलना चाहता था, यही वजह है कि मैंने इस फिल्म में नेगेटिव रोल करना स्वीकार किया। मुझे लगता है कि नेगेटिव किरदारों को करने के लिए एक्टर को अलग तरह का रंग मिलता है, मगर कलाकार के रूप में हर रोल में उतनी ही मेहनत लगती है। अब जैसे कोटा फैक्ट्री का टीचर हो या फिर पंचायत का सचिव जी, जोर तो उतना ही लगाना पड़ता है।

तब लगा था रातों-रात स्टार बन जाऊंगा

अपने अभिनय सफर के बारे में जितेंद्र कुमार ने कहा, जिस दिन मैं मुंबई आया, उस दिन पहली बार मैंने कैमरा फेस किया और वो विडियो रिलीज भी हुआ। मुझे शहर में पहले दिन ही एक्टिंग का काम मिल गया था। मैं इसके लिए खुद को बहुत खुशकिस्मत मानता हूं, मगर यूट्यूब से सीरीज में आना और फिर सीरीज से फिल्मों में आने का जो सफर था, उसमें जो ट्रांजिशन थे, वो थोड़े टफ रहे। मैं वीकेंड पर ट्यूशन पढ़ाया करता था और कंस्ट्रक्शन कंपनी भी काम मैंने उसी दौरान किया है, मगर मेरे जो भी शूट हुआ करते थे, वो वीकेंड्स पर ही होते थे। मैं ट्यूशंस भी इसलिए पढ़ाया करता था कि मेरा सर्वाइवल हो सके। शुरू में तो मैं सिर्फ सीख ही रहा था कि कैमरा कैसे फेस करूं? इस क्राफ्ट को कैसे आगे बढ़ाऊं? उससे पहले तक मैंने स्टेज पर काम किया था। रंगमंच पर ही मुझे अहसास हुआ कि अभिनय में किस्मत आजमाई जा सकती है। मैं आपको बताऊं, तो मुझे दूसरे कलाकारों की तरह सालों संघर्ष नहीं करना पड़ा। मैंने जब अभिनय में किस्मत आजमाने की सोची, तो मुझे लगा था कि मैं रातों -रात स्टार बन जाऊंगा, मगर ऐसा हुआ नहीं। मैं निराश होकर वापस चला गया था, मगर वो वक्फा काफी कम था। तीन महीने बाद मैंने एक साल बाहर जॉब किया।

नौकरी करते हुए महसूस हुआ कि मुझे मेरी मेहनत का फल मिल रहा है

जितेंद्र कुमार की प्राइज मनी काफी चर्चा में रही है कि अब वे अच्छा-खासा मेहनताना ले रहे हैं। इस पर वे हंसते हुए कहते हैं, लोगों ने तो वाशिंगटन के वाइट हाउस को मेरा घर बता कर पब्लिश किया है। वो फोटो देख कर समझ में आ जाना चाहिए कि मुझे कितना ज्यादा पैसा मिल रहा होगा? मजाक की बात छोड़ दी जाए, तो हां, मैं खुश हूं, मुझे मेरी प्राइज मनी मिल रही है। मैं जितना डिजर्व करता हूं मिल रहा है। मैं कलाकार के रूप में हमेशा से मानता हूं कि अगर आपका काम अच्छा है और वो ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचता है, तो उसका परिणाम आपको मिलता है और ये मेरा मेहनताना उसी का फल है। दूसरे लफ्जों में कहूं, तो आपका काम बिकाऊ हो जाता है, तो मैं कह सकता हूं कि मैं बिकाऊ हो गया हूं, मुझे अच्छे पैसे मिल रहे हैं।

हर किरदार के लिए जान लगानी पड़ती है

यूट्यूब के बाद ओटीटी और उसके बाद शुभ मंगल ज्यादा सावधान और भागवत चैप्टर वन- राक्षस जैसी फिल्मों में नजर आने वाले जितेंद्र ओटीटी और फिल्मों के बीच के ट्रांजिशन के बारे में कहते हैं, मुझे लगता है कि लोग थिएटर आएंगे या नहीं ये एक्टर और ऑडियंस के रिश्ते पर निर्भर करता है। अगर कोई एक्टर दर्शकों को सिनेमा हॉल तक लाने में कामयाब है, तो फिर चाहे वो किसी भी माध्यम का कलाकर हो, फर्क नहीं पड़ता। हां, ओटीटी और फिल्मों में कहानी कहने का ढंग काफी अलग होता है। सीरीज में आप कहानी की डिटेलिंग कर सकते हैं, सिनेमा में काम समय में प्रभाव जमाना होता है। मगर जहां तक अभिनेता के नजरिए की बात है, तो जैसे ही एक्शन बोला जाता है, एक्टर को वो मोमेंट क्रिएट करना होता है।

मुंबई की तरह दूसरी जगहों में आप बिंदास होकर नहीं घूम सकते

हाल ही में जितेंद्र भागवत चैप्टर वन- राक्षस में एक ऐसी नकारात्मक भूमिका में नजर आए, जो महिलाओं को अपने प्रेम जाल का शिकार बना कर उन्हें मार डालता है। उनसे जब महिलाओं से जुड़ी सबसे बड़ी समस्या के बारे में पूछा जाता है, तो वे कहते हैं, सबसे बड़ी समस्या तो सुरक्षा की ही है। मुझे नहीं लगता कि बड़े शहर और छोटे शहर की बात है। मैं मानता हूं कि गिने -चुने शहर ही ऐसे हैं, जो पूरी तरह से सेफ हैं। पूरे देश में वो डर इतना अंदर तक घुसा हुआ है कि महिलाएं तो खुद को असुरक्षित और असहज महसूस करती ही हैं, मगर पुरुष भी इस बेचैनी में रहता है कि उसके घर की महिलाएं बाहर सुरक्षित नहीं हैं। मगर हां, मैं मानता हूं कि मुंबई देश के उन गिने-चुने शहरों में से है, जहां आप खुद को सिक्योर और सेफ फील कर सकते हैं। अब जैसे देश के अंदरूनी इलाकों में आप उस तरह से बिंदास होकर नहीं घूम सकते, मगर मुंबई एक ऐसा शहर है, जो सोता नहीं और महिलाएं देर रात भी कामकाज से लौटती हैं या कहीं बाहर से आती हैं, तो बेखौफ होकर।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।